नई दिल्ली ■ सोमवार 06 अप्रैल 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 08 ■ पृष्ठ 08

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 भाजपा के 47 साल बेमिसाल लहराया जीत का परचम | 07 बार्सीलोना ने एटलेटिको मैड्रिड को हराया | सुबह की आदतों में सुधार बेहद जरूरी :सामंथा रूथ प्रभु 08

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में चुनावी सभा में कहा

टीएमसी के गुंडों का होगा हिसाब: पीएम

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मालदा में न्यायिक अधिकारियों के घेराव के मद्देनजर पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रचार रणनीति का रविवार को केंद्र बिंदु बनाया।

मोदी ने राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर 'महा जंगलराज' चलाने का आरोप लगाया और 2026 के विधानसभा चुनाव को सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा फैलाए गए 'भय' और भाजपा के 'भरोसे' के बीच सीधा मुकाबला बताया। मोदी ने पिछले महीने चुनाव की घोषणा के बाद उत्तर बंगाल के कूचबिहार जिले में अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मालदा घटना का इस्तेमाल भाजपा के दोहरे चुनावी मुद्दों - ''खराब कानून व्यवस्था'' और कथित जनसांख्यिकीय परिवर्तन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए किया। उन्होंने साथ ही महिलाओं की सुरक्षा और बांग्लादेश से घुसपैठ के मुद्दों को उठाकर तृणमूल कांग्रेस पर हमला किया।

मोदी ने कहा, ''कुछ ही दिन पहले, पूरे देश ने देखा है कि मालदा में न्यायिक अधिकारियों को कैसे बंधक बनाया गया था। यह किस तरह की सरकार है, जो न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा और संवैधानिक प्रक्रियाओं को सुनिश्चित नहीं कर सकती? हम ऐसी सरकार से बंगाल की जनता की सुरक्षा की उम्मीद नहीं कर सकते।

केरल विस चुनाव सरकार बदलने के लिए नहीं बल्कि राज्य का भविष्य सुधारने के लिए हैं : शाह

कोच्चि। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि केरल में होने जा रहे विधानसभा चुनाव केवल सरकार बदलने के लिए नहीं, बल्कि राज्य के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए हैं। शाह ने यहां कुन्नथुनाडु निर्वाचन क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 के लोकसभा चुनावों के बाद से केरल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के मत प्रतिशत में वृद्धि हुई है और अब राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की सरकार का समय आ गया है। उन्होंने ईस्टर के अवसर पर ईसाई समुदाय को शुभकामनाएं दीं और उनसे केरल में सरकार बनाने के लिए राजग का समर्थन करने का आह्वान किया।

मतदाता लोगों के नाम हटाने का बदला लेने के लिए मतदान करें : ममता बनर्जी

शमशेरगंज (प.बंगाल)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को मतदाताओं से उन लोगों की ओर से बदला लेने के लिए मतदान करने का आह्वान किया जिनके नाम एसआईआर प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से हटा दिये गए हैं। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने उन लोगों से न्यायाधिकरण के समक्ष अपील करने का भी आग्रह किया, जिनके नाम मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। ममता ने अप्रैल 2025 में मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा के केंद्र में रहे शमशेरगंज में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''लोगों के नाम हटाए जाने का बदला लेने और एसआईआर के खिलाफ अपना वोट डालें ताकि परिणाम इसे प्रतिबिंबित कर सकें।

जुबिन गर्ग की तरह कांग्रेस भी लोगों को एकजुट करने का काम करती है : राहुल

विश्वनाथ चरियाली/गोलाघाट (असम)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी की विचारधारा प्रसिद्ध संगीतकार जुबिन गर्ग जैसी है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन असम को एकजुट करने में लगाया। असम के विश्वनाथ और गोलाघाट जिलों में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भारत के ''सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री'' हैं और राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गांधी ने कहा, ''जुबिन गर्ग ने अपना पूरा जीवन असम के लोगों को एकजुट करने में लगाया, उन्होंने कभी किसी के साथ गलत व्यवहार नहीं किया। कांग्रेस की विचारधारा भी ऐसी ही है, नफरत के खिलाफ प्यार फैलाने की।'' उन्होंने आरोप लगाया कि शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य की भाजपा सरकार लोगों और समुदायों के बीच नफरत फैलाने का काम कर रही है। गांधी ने कहा, ''उन्हें कुछ दिन और बोलने दीजिए। इसके बाद असम में कांग्रेस की सरकार बनेगी और कानूनी कार्रवाई होगी, भले ही वह माफी क्यों न मांगें। कांग्रेस सरकार उन्हें 10-15 साल के लिए जेल में डाल देगी।''

उन्होंने आरोप लगाया कि शर्मा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मिलकर एक ''लैंड एटीएम'' बना रहे हैं, जिसके जरिए जनता की जमीन छीनकर कुछ बड़े उद्योगपतियों को दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ शर्मा ही नहीं, बल्कि उनके परिवार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की भी जांच की जाएगी और उसके अनुसार कार्रवाई होगी। गांधी ने दावा किया कि असम में तीन बड़े कॉरपोरेट घरानों को कुल 98,400 बीघा जमीन दी गई है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, ''असम में यह जमीन हड़पने वाला एक गिरोह है। लेकिन इन्हें जमीन मुफ्त में नहीं मिलती। ये कॉरपोरेट घराने भाजपा के लिए वित्त पोषण की मशीन हैं।

आचार संहिता लागू होने के बाद से पांच राज्यों में 651.51 करोड़ की नकदी जब्त: चुनाव आयोग

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने आगामी विधानसभा चुनावों और उपचुनाव के मद्देनजर लागू आदर्श आचार संहिता के तहत कार्रवाई करते हुए अब तक 651.51 करोड़ रुपये मूल्य की नकदी और अवैध सामग्री जब्त की है। आयोग ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है। चुनाव आयोग के अनुसार, चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में चुनावी तैयारियों के बीच आचार संहिता के प्रभावी पालन के लिए व्यापक निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत 5,173 से अधिक फ्लाइंग स्क्वॉड और 5,200 से ज्यादा स्टैटिक सर्विलांस टीमें तैनात की गई हैं। ये टीमें विभिन्न क्षेत्रों में लगातार जांच, तलाशी और नाकाबंदी अभियान चला रही हैं, ताकि अवैध गतिविधियों पर तुरंत अंकुश लगाया जा सके। आयोग की ओर से बताया गया कि इलेक्ट्रॉनिक सीजर मैनेजमेंट सिस्टम (ईएसएमएस) के माध्यम से 26 फरवरी से अब तक बड़ी मात्रा में अवैध वस्तुओं की जब्ती दर्ज की गई है। इसमें 53.2 करोड़ रुपये नकद, 79.3 करोड़ रुपये की शराब, 230 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ, 58 करोड़ रुपये की कीमती धातु और 231.01 करोड़ रुपये के अन्य मुफ्त उपहार शामिल हैं। राज्यवार आंकड़ों पर नजर डालें तो सबसे अधिक जब्ती पश्चिम बंगाल में 319 करोड़ रुपये की हुई है। इसके बाद तमिलनाडु में 170 करोड़ रुपये, असम में 97 करोड़ रुपये, केरल में 58 करोड़ रुपये और पुडुचेरी में 7 करोड़ रुपये की जब्ती दर्ज की गई है। आयोग ने यह भी बताया कि आम नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए जिला स्तर पर शिकायत निवारण समितियां गठित की गई हैं।

होर्मुज को लेकर चिंताओं के बीच सरकार ने LPG की आपूर्ति बढ़ाई

नई दिल्ली। सरकार ने रसोई गैस की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पांच किलोग्राम वाले छोटे एलपीजी सिलेंडरों की बिक्री तेज कर दी है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार,23 मार्च से अब तक ऐसे करीब 6.6 लाख सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम के घरेलू सिलेंडरों के विपरीत, पांच किलोग्राम के छोटे सिलेंडर, जिन्हें एफटीएल सिलेंडर कहा जाता है, बाजार कीमत पर मिलते हैं और इन्हें नजदीकी गैस एजेंसी से लेने के लिए पते का प्रमाण देना जरूरी नहीं होता। पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक बयान में कहा, रकल (4 अप्रैल) पांच किलोग्राम के 90,000 से अधिक एफटीएल सिलेंडर बेचे गए। 23 मार्च 2026 से अब तक करीब 6.6 लाख पांच किलोग्राम एफटीएल सिलेंडर बेचे जा चुके हैं।ह मंत्रालय ने कहा कि एलपीजी वितरकों के पास किसी तरह की कमी की कोई सूचना नहीं है। एक ही दिन में 51 लाख से अधिक घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति की गई और कुल मांग का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा ऑनलाइन बुकिंग के जरिए पूरा हुआ। प्रशासन ने जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। मार्च से अब तक 50,000 से अधिक सिलेंडर जब्त किए गए हैं, एलपीजी वितरकों को 1,400 से ज्यादा कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं और अब तक 36 डीलरशिप निलंबित की जा चुकी हैं।

बरेली में बाईपास पर खड़े टैंकर से टकराई बोलेरो, चार की मौत

बरेली। नगर के सीबीगंज थाना क्षेत्र के परधौली गांव के पास रविवार दोपहर एक तेज रफ्तार बोलेरो सड़क किनारे खड़े टैंकर में पीछे से घुस गई। हादसा इतना भीषण था कि बोलेरो के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बोलेरो लखनऊ की ओर से आ रही थी। वाहन की रफ्तार काफी तेज थी। परधौली के पास चालक अचानक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और बोलेरो सीधे सड़क किनारे खड़े टैंकर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो में बैठे लोग अंदर ही फंस गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सीबीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाया। भीषण दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई। खबर लिखे जाने तक मृतकों की पहचान नहीं हो सकी। बताया गया कि हादसे में एक युवक बोलेरो के अंदर बुरी तरह फंस गया। उसे निकालने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। कटर और अन्य उपकरणों की मदद से बोलेरो का हिस्सा काटकर युवक को बाहर निकाला गया। सीबीगंज इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि घायलों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

पूर्व पीएम ओली और गृहमंत्री लेखक की पुलिस रिमांड बढ़ी

काठमांडू। काठमांडू जिला अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और गृहमंत्री रमेश लेखक की पुलिस रिमांड पांच दिनों के लिए बढ़ा दी है। ये चौथी बार है, जब दोनों नेताओं की रिमांड बढ़ाई गई है। पिछले साल 8 और 9 सितंबर को हुए 'जेन-जी' आंदोलन की जांच के सिलसिले में दोनों को 28 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। पहली बार 29 मार्च को पांच दिनों की रिमांड दी गई थी। उसके बाद दो बार दो-दो दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेजा गया था। इन गिरफ्तारियों का आधार मंत्रिपरिषद का वह निर्णय था, जिसमें पूर्व न्यायाधीश गौरीबहादुर कार्की के नेतृत्व में गठित आयोग की सिफारिशों को लागू करने का फैसला लिया गया था। इस आयोग को 'जेन-जी' आंदोलन से जुड़े घटनाक्रमों की जांच की जिम्मेदारी दी गई थी।

होर्मुज नहीं खोलने पर ईरान को डोनाल्ड ट्रंप की धमकी

7 अप्रैल को पावर प्लांट और ब्रिज सब कर देंगे तबाह

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने ईरान को एक बार फिर सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर ईरान होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोलता, तो मंगलवार से उसके पावर प्लांट और पुलों पर हमले होंगे। ट्रंप ने इस दिन को पावर प्लांट डे और ब्रिज डे नाम दिया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि अगर ईरान ने रास्ता नहीं खोला, तो उसे नरक जैसे हालात का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने बहुत कड़ी भाषा में कहा कि स्ट्रेट खोलो, नहीं तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो। होर्मुज खोलने के लिए ट्रंप की 10 दिन की डेडलाइन सोमवार को खत्म होने वाली है, जबकि बातचीत बेनतीजा रही है। ट्रंप पहले भी कह चुके हैं कि अगर ईरान कोई समझौता नहीं करता, तो उसके बिजली, पानी और तेल से जुड़े बड़े ढांचों पर हमला किया जाएगा।

अमेरिका और इजराइल ने 3 दिन पहले ईरान के करज शहर में B1 ब्रिज पर दो बार हमला किया था, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और 136 मीटर ऊंचा पुल पूरी तरह तबाह हो गया। करीब 1050 मीटर लंबा यह पुल लगभग 400 मिलियन डॉलर (करीब ₹3,800 करोड़) की लागत से बना था।

मौत के मुंह से सुरक्षित निकला अमेरिकी लापता पायलट

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार सुबह कहा कि ईरान द्वारा लड़ाकू विमान गिराए जाने के बाद से लापता अमेरिकी सैन्यकर्मी को बचा लिया गया है। विमान के चालक दल का यह सदस्य शुक्रवार से लापता था, जब ईरान ने अमेरिकी एफ-15 ई स्ट्राइक ईगल विमान को मार गिराया था। चालक दल के एक अन्य सदस्य को पहले ही बचा लिया गया था। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि पायलट घायल है, लेकिन ''वह बिल्कुल ठीक हो जाएगा।'' उन्होंने यह भी कहा कि उसने ''ईरान के दुर्गम पहाड़ी इलाकों में शरण ली थी।'' अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुसार, बचाव अभियान में ''दर्जनों विमान'' शामिल थे और अमेरिका उसकी 'लोकेशन' पर ''24 घंटे नजर रखे हुए था तथा उसके बचाव की सावधानीपूर्वक योजना बना रहा था।'' यह लड़ाकू विमान फरवरी के अंत में शुरू हुए संघर्ष के बाद ईरानी क्षेत्र में गिरने वाला पहला अमेरिकी विमान था। ट्रंप ने पिछले सप्ताह कहा था कि अमेरिका ने ईरान को ''चकनाचूर'' कर दिया है और वह युद्ध को ''बहुत जल्दी'' खत्म कर देगा। इसके दो दिन बाद ईरान ने दो अमेरिकी सैन्य विमानों को मार गिराया, जिससे बमबारी में कमजोर होने के बावजूद ईरानी सेना की जवाबी क्षमता का संकेत मिला।

लोकतंत्र के युग जनता तय करेगी अपना भाग्यविधाता: संजय निषाद

नोएडा। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने रविवार को नोएडा शहर में रोड शो निकालकर सेक्टर-21ए स्थित नोएडा इन्डोर स्टेडियम में एक जनसभा को संबोधित किया। जनसभा में डॉ. संजय निषाद ने कहा कि आज नोएडा की धरती पर उमड़ा यह जनसैलाब इस बात का गवाह है कि अब शोषितों और वंचितों की आवाज को दबाया नहीं जा सकता।

इन्डोर स्टेडियम, सेक्टर 21। में कई हजारों की संख्या में एकजुट हुए समाज ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हक और अधिकार की यह लड़ाई अब निर्णायक मोड़ पर है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सभा नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति का आगाज है। जब समाज संगठित होता है, तो इतिहास बदलता है। हम रुकेंगे नहीं, हम झुकेंगे नहीं। अपने हक की आवाज को बुलंद करते रहेंगे जब तक कि अंतिम व्यक्ति को उसका अधिकार न मिल जाए।उन्होंने कहा कि आज की एकता ने इतिहास लिख दिया, कश्यप, निषाद, गुज्जर समाज ने दिखा दिया कि जब हम एक होते हैं, तो ताकत बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सभा नहीं, बल्कि उन करोड़ों वंचितों की आवाज है जिन्हें दशकों तक अनदेखा किया गया। आज निषाद पार्टी के बैनर तले निषाद, कश्यप और गुज्जर समाज कंधे से कंधा मिलाकर अपनी हिस्सेदारी और हक की लड़ाई लड़ रहा है। सामाजिक न्याय के लिए विभिन्न समुदायों का एक मंच पर आना एक शुभ संकेत है। सभा से पूर्व डॉ. संजय निषाद ने मीडिया से बातचीत में उन्होंने लोकतंत्र, जनता की ताकत और अपनी सरकार की नीतियों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पहले के समय में राजा खुद तय करता था कि उसका कौन सा बेटा राजा बनेगा। लेकिन अब लोकतंत्र का युग है। यहां राजा रणनीति से नहीं, बल्कि जनता तय करती है कि कौन राजा बनेगा। उन्होंने कहा कि जो नेता जनता के हितों को उठाता है, जनता उसी को अपना राजा चुनती है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार हमेशा जनता की आवाज उठाती है। वे एनडीए के सहयोगी दल हैं और जनता के हित में काम करते हैं।

कार सवार युवकों ने कर्मचारी को पीटा

ग्रेटर नोएडा। इकोटेक-1 थाना क्षेत्र में कार सवार युवकों ने बीपीएल कर्मी के साथ मारपीट की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से हरियाणा के रोहतक निवासी सुमित ग्रेटर नोएडा की डीटीसी वेलफेयर सोसाइटी में रहते हैं। वह मुरशदपुर गांव के पास स्थित बीपीएल कंपनी के एचआर विभाग में नौकरी करते हैं। उनका आरोप है कि रोजाना की तरह शाम को 6 बजे कंपनी से निकले। उनकी कार में दोस्त मनीष, रोहित, दिनेश और आलोक भी सवार थे। आरोप है कि कंपनी से एक किलोमीटर दूर जाने पर एक काले रंग की स्कॉर्पियो कार ने ओवरटेक कर रोक लिया और उसमें सवार युवकों ने उसके साथ मारपीट की। इसमें उसके हाथ में चोटें आई हैं। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

टीबी मुक्त 17 ग्राम पंचायतें सम्मानित होंगी

नोएडा। जिले की 17 ग्राम पंचायत टीबी मुक्त हो चुकी हैं। इन ग्राम पंचायतों के प्रधानों को इसी महीने सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक साल यह कार्यक्रम 24 मार्च को होता था, लेकिन जिले से टीबी मुक्त भारत अभियान के शुरू होने के कारण इसकी तिथि आगे कर दी गई। जिले में 2023 से टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान की शुरुआत की गई। पहले साल यह संख्या तीन थी।

जिले में 20 पंचायतों को टीबी मुक्त अभियान के तहत रखा गया, लेकिन तीन पंचायत मानकों पर खरे नहीं उतरे। प्रत्येक साल ग्राम प्रधानों का सम्मान टीबी दिवस पर 24 मार्च को किया जाता है, लेकिन इस टीबी दिवस पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने ग्रेटर नोएडा से टीबी मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की, लिहाजा यह कार्यक्रम नहीं हो सका। जिला टीबी नियंत्रण अधिकारी डॉ. आरपी सिंह ने बताया कि जल्द ही टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों के सम्मान के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

इसके बाद इस वर्ष टीबी मुक्त ग्राम प्रचायतों के लिए काम शुरू होगा। साल के अंत में इन ग्राम पंचायतों का भी निर्धारण कर लिया जाएगा।90 प्रतिशत से अधिक सफल इलाज दरटीबी मुक्त गांवों में रोगियों के सफल उपचार की दर 90 प्रतिशत से अधिक होनी चाहिए। उच्च जोखिम वाले गांवों में टीबी के मरीजों की सक्रिय पहचान और जांच सुनिश्चित करना। साथ ही निक्षय पोषण सहायता और सभी उपचाराधीन रोगियों को निक्षय मित्र से पोषण सहायता और निक्षय पोषण योजना का लाभ मिल रहा हो। इसके अलावा गांवों को एक साल तक टीबी मुक्त बनाए रखना पड़ता है। इसके अलावा भी कई मानदंडों पर खरा उतरना पड़ता है।

यमुना प्राधिकरण के भूखंड के नाम पर 11 लाख रुपये की ठगी, 8 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

दादरी। ग्रेटर नोएडा में यमुना प्राधिकरण के द्वारा आवंटित भूखंड बेचने का लालच देकर 11 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। दादरी पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की है। पुलिस के अनुसार, दिल्ली निवासी गुरजन सिंह ने दी शिकायत में बताया कि वह दिल्ली में हार्डवेयर की दुकान करते हैं।

सुबोध नामक व्यक्ति ने नन्ने खां निवासी दनकौर से मिलवाया और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के भूखंड में कुछ पैसे निवेश का प्रलोभन दिया। बताया गया है कि नन्हें खां की जमीन मूंजखेडा दनकौर में है। उसके एवज में यमुना प्राधिकरण के द्वारा सात प्रतिशत भूखंड के रूप में 282 वर्ग मीटर भूखंड मिलेगा वह उनके हक में इकरारनामा कर देगा। सौदा 11.28 लाख में तय हुआ। चार अप्रैल 2021 को 11 लाख रुपए देकर इकरारनामा उनके पक्ष में हो गया, बाकी 28 हजार रुपए रजिस्ट्री पर देना तय हुआ। एक जनवरी 2024 को नन्ने खां की मौत हो जाने के बाद यमुना प्राधिकरण द्वारा नन्ने खां के स्वजन इमरान, अमिर, अरबाज, फैजान, गुलहसन, सुरवीना, के हक में 18 दिसंबर 2025 को 170 वर्ग मीटर भूखंड आवंटित की गई। आरोप है कि इस भूखंड की रजिस्ट्री किसी अन्य पार्टी को कर दी गई। नन्हें खां के स्वजन से संपर्क करने पर अभद्रता की गई।

18 फरवरी को वह अपने वकील से दादरी कार्यालय पर मिलने जा रहे थे तो आरोपियों ने मिलकर बेटे गुरविंदर व उन्हें पीटकर घायल कर दिया। घटना की शिकायत उन्होंने पुलिस से की। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने गुलहसन, इमरान, आमिर, अरबाज, फैजान, सुरबीना ऊर्फ सुखी, अजय कुमार समेत कुल आठ के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

घर से लाखों का सामान चोरी

नोएडा। फेज-तीन थाना क्षेत्र स्थित किराए के घर में रहने वाले व्यक्ति के घर से दो लैपटॉप समेत लाखों का सामान चोरी हो गया। घटना एक सप्ताह पूर्व की है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-70 स्थित बसई गांव में रहने वाले विवेक यादव ने पुलिस को बताया कि 29 मार्च की सुबह सात बजे एक अज्ञात व्यक्ति उनके कमरे में घुस गया। वह कमरे में रखे दो लैपटॉप, कलाई वाली घड़ी और अन्य कीमती सामान चोरी करके ले गया। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत करीब सवा लाख रुपये है। पीड़ित का कहना है कि चोरी करने वाले आरोपी का चेहरा सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया है।

पुलिस ने पांच हजार से अधिक बदमाशों को दिलाई सजा

नोएडा। ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत पुलिस ने पिछले तीन साल से अधिक समय में 5080 अपराधियों को सजा दिलाने में सफलता पाई। इस अवधि में 117 अपराधियों को आजीवन कारावास हुआ। दावा है कि प्रदेश में सबसे ज्यादा अपराधियों को सजा गौतमबुद्धनगर में हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हत्या, दुष्कर्म, पॉक्सो ऐक्ट, दहेज हत्या, अपहरण, लूट और डकैती जैसे गंभीर मामलों को प्राथमिकता से चिन्हित किया। इन मामलों में मजबूत पैरवी कर अदालत में ठोस सबूत पेश किए।

आंकड़ों के मुताबिक एक जनवरी 2023 से तीन अप्रैल 2026 तक कुल 5080 अपराधियों को सजा दिलाई गई। यह कार्रवाई कुल 4549 मामलों में हुई। पुलिस ने इन मामलों की जांच समय पर पूरी की और गवाहों को भी समय से अदालत में पेश किया। इससे केस मजबूत बने और अपराधियों को सजा मिल सकी। अगर अलग-अलग मामलों की बात करें तो पॉक्सो ऐक्ट के 104 मामलों, दुष्कर्म के 16 मामलों, दहेज हत्या के चार मामलों, अपहरण के 25 मामलों और हत्या के 62 मामलों में सजा दिलाई गई। इसके अलावा डकैती के 15, लूट के 323, गिरोहबंद अधिनियम के 78, चोरी के 1403 और आर्म्स एक्ट के 1067 मामलों में भी अपराधियों को सजा मिली।

अन्य मामलों में भी बड़ी संख्या में दोषियों को सजा दिलाई गई। सजा की अवधि पर नजर डालें तो अदालत ने 117 अपराधियों को आजीवन कारावास, 32 अपराधियों को 20 साल की सजा और 37 अपराधियों को 10 साल की सजा सुनाई है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस अभियान के तहत जांच की गुणवत्ता पर खास ध्यान दिया गया। हर केस में सबूत मजबूत जुटाए गए और गवाहों की सुरक्षा और पेशी सुनिश्चित की गई। यही वजह रही कि बड़ी संख्या में मामलों में दोष सिद्ध हुआ और अपराधियों को सजा मिली। इस पहल का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि पीड़ितों को समय पर न्याय मिला। पुलिस का कहना है कि आगे भी इस तरह की प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस का लक्ष्य है कि किसी भी गंभीर अपराध में आरोपी बच न पाए और उसे कानून के अनुसार सजा जरूर मिले। इसके लिए जांच, सबूत और कोर्ट में पैरवी तीनों स्तर पर मजबूती से काम किया जाएगा। ऑपरेशन कन्विक्शन के जरिए पुलिस ने यह दिखाया है कि अगर सही रणनीति और मजबूत तैयारी के साथ काम किया जाए, तो अपराधियों को सजा दिलाना संभव है।

> ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत बीते तीन सालों में पांच हजार से अधिक अपराधियों को सजा हुई है। यह अभियान न सिर्फ अपराध पर नियंत्रण में मददगार साबित हो रहा है, बल्कि समाज में सुरक्षा और विश्वास का माहौल भी बना रहा है।
>
> *– लक्ष्मी सिंह*
> *पुलिस कमिश्नर*

साइबर ठगी से बचने के तरीके बताए

नोएडा। मिशन शक्ति अभियान-5.0 के तहत कमिश्नरेट पुलिस ने रविवार को महिलाओं को साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया। मिशन शक्ति टीम ने महिला सुरक्षा से संबंधित सुविधाओं के बारे में बताया। हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी। जिले के तीनों जोन के थाना क्षेत्रों में अभियान के तहत महिलाओं से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी गई। महिलाओं को बताया गया कि अगर वे घरेलू हिंसा की शिकार होती हैं या कोई उन्हें बेवजह परेशान कर रहा है तो कहां और कैसे शिकायत करनी है। मिशन शक्ति के तहत ही विभिन्न स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को कराटे और जूडो का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जेल में बंद नाइजीरियन कैदी की अस्पताल में मौत

ग्रेटर नोएडा। लुक्सर जेल में बंद एक नाइजीरियन कैदी की अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार को मौत हो गई। नाईजीरिया नागरिक को ड्रग्स बरामदगी के बाद गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। जेल सुपरिंटेंडेंट बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतक सोलोमन (66 वर्ष) और उसके कई साथियों को वर्ष 2023 के मई माह में थाना बीटा- दो पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था। इनके पास से करीब 300 करोड़ की एमडीए ड्रग्स बरामद हुआ था। विदेशी नागरिक एनडीपीएस एक्ट के मामले में तभी से जेल में बंद था। कैदी किडनी की गंभीर बीमारी से ग्रसित था। उन्होंने बताया कि 2 दिन पूर्व ही वह एम्स दिल्ली से डायलिसिस करवा कर अस्पताल लौटा था। रविवार को उसकी अचानक तबीयत खराब हुई। उसे जिम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि नाइजीरियन दूतावास को घटना की सूचना दी गई है। मृतक के परिजनों से संपर्क किया जा रहा है। इसके कुछ साथी भारत में रहते हैं। उनको भी घटना की सूचना दे दी गई है।

नोएडा में 21 हजार से अधिक निष्क्रिय पीएफ खाते, 23 लाख रुपये से ज्यादा राशि अटकी

नोएडा। नोएडा में कर्मचारी भविष्य निधि के 21 हजार से अधिक खाते निष्क्रिय पड़े हैं, जिनमें लाखों रुपये की राशि जमा होने के बावजूद खाताधारक उनकी सुध नहीं ले रहे हैं। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के अनुसार इन निष्क्रिय खातों में 23 लाख रुपये से अधिक की राशि पड़ी हुई है। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त प्रथम सुयश पांडे ने बताया कि कुल 21,521 खाते तीन वर्ष से अधिक समय से निष्क्रिय हैं। इनमें से 5,471 खातों में एक हजार रुपये से कम राशि है, जिनमें कुल 23,32,770 रुपये जमा हैं। उन्होंने कहा कि अप्रैल के अंत तक नई प्रणाली लागू होने के साथ ही ऐसे खातों का स्वचालित निपटान शुरू कर दिया जाएगा।

अधिकारियों के अनुसार, खातों में जमा राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाएगी, लेकिन इसके लिए बैंक खाते का आधार से जुड़ा होना अनिवार्य है। जिन खाताधारकों ने

अभी तक आधार से लिंक नहीं कराया है, उन्हें जल्द यह प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है।

जानकारी के मुताबिक यह पहल केवल नोएडा तक सीमित नहीं है, बल्कि देशभर में 1.33 लाख से अधिक निष्क्रिय खातों से करीब 5.68 करोड़ रुपये वापस किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। इस व्यवस्था के तहत लाभार्थियों को किसी प्रकार का प्रपत्र भरने की आवश्यकता नहीं होगी और राशि सीधे उनके बैंक खातों में स्थानांतरित की जाएगी। सुयश पांडे ने यह भी बताया कि जिन खाताधारकों का यूनिवर्सल खाता संख्या नहीं बना है, वे आवश्यक दस्तावेजों को बैंक से सत्यापित कराकर कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के कार्यालय में जमा करें। सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद खाता संख्या जारी की जाएगी, जिसके लिए खाताधारक को कार्यालय में उपस्थित होकर हस्ताक्षर करने होंगे। अधिकारियों के अनुसार कई खाताधारक अब विदेश में रह रहे हैं, जिससे संपर्क में कठिनाई आती है। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है कि वे अपने खाते से संबंधित गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। इस पहल से लंबे समय से निष्क्रिय खातों में फंसी राशि को वापस दिलाने में मदद मिलेगी और संगठन के कार्यभार में भी कमी आएगी।

यमुना सिटी के नए सेक्टरों में विकास कार्य तेज होंगे

यीडा आंतरिक विकास कार्यों पर दो हजार करोड़ खर्च करेगा

ग्रेटर नोएडा। यमुना सिटी के नए सेक्टरों में विकास कार्य तेज होंगे। वित्तीय वर्ष 2026-27 में नए सेक्टरों में सीवर, ड्रीनेज और जलापूर्ति समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं पर यमुना विकास प्राधिकरण (यीडा) करीब दो हजार करोड़ रुपये खर्च करेगा। इसका खाका तैयार हो चुका है ।प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि शहर में नए सेक्टर विकसित हो रहे हैं। इनमें सेक्टर 4, 5, 5ए, 8ए, 8डी, 8एफ, 11 समेत अन्य शामिल हैं। वहीं, इस वर्ष कई नई परियोजनाएं धरातल पर उतरेंगी। इनमें अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी और फिनटेक सिटी शामिल है। इसके अलावा करीब 23 से ज्यादा देशी-विदेशी कंपनियों को भूमि भी दी जाएगी, ताकि वह अपना निर्माण कार्य शुरू कर सकें।

ये सभी परियोजना नए सेक्टरों में आएंगी। ऐसे में प्राधिकरण ने इन सेक्टरों में विकास कार्यों का खाका तैयार कर लिया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में शहर में विकास कार्यों पर करीब दो हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। भूमि खरीद के बाद किसी अन्य कार्यों के लिए आवंटित यह दूसरा सबसे बड़ा बजट है। सेक्टरों में विकास कार्य पूरा होने के बाद यहां कंपनियां अपने इकाइयां का निर्माण शुरू कर सकेंगी। एयरपोर्ट के दृष्टिगत आसपास विकसित होने वाली परियोजनाओं की तैयारियों को भी अंतिम रूप दिया जा सकेगा, ताकि परियोजनाओं का निर्माण

> यमुना सिटी में इस वित्तीय वर्ष दो हजार करोड़ के विकास कार्य किए जाएंगे। इनमें सेक्टरों के आंतरिक विकास से जुड़े समेत अन्य कार्य शामिल है। इसका खाका तैयार कर लिया गया है। जल्द ही काम भी शुरू हो जाएगा।
>
> *-शैलेंद्र भाटिया , एसीईओ यीडा*

बिना रुकावट पूरा किया जा सके। इस वित्तीय वर्ष प्राधिकरण का मुख्य फोकस शहर में औद्योगिक और बसावट तेज करना है।

46 नए सेक्टर विकसित होंगे

यीडा मास्टर प्लान 2041 के अंतर्गत 46 नए सेक्टर विकसित करेगा। इनका सर्विस मास्टर प्लान तैयार कराया जा रहा है। इन 46 सेक्टरों में सीवर, ड्रेनेज और जलापूर्ति को लेकर प्लान तैयार किया जाएगा, ताकि आने वाले 100 वर्षों तक इनके विस्तार से नागरिकों को कोई दिक्कत न होने पाए। अधिकारियों के मुताबिक, मास्टर प्लान 2031 के अंतर्गत यीडा क्षेत्र में 52 सेक्टरों को विकसित किया गया है, जो कि अब मास्टर प्लान 2041 में कुल 98 हो गए हैं। इनमें 46 सेक्टर नए हैं, जिनमें भूमि का आवंटन किया जा रहा है।

टोपोग्राफिकल सर्वे चल रहा

नए सेक्टरों में टोपो ग्राफिकल सर्वे कार्य कराया जा रहा है। इसके माध्यम से सेक्टरों की मौजूदा स्थिति, सुविधा और जरूरतों का विस्तृत आकलन किया जाएगा। इससे भविष्य में विकास परियोजनाओं को बेहतर ढंग से विकसित किया जा सके। इस सर्वे के जरिए सेक्टरों में जमीन की नाप-जोख, सड़कों, नालियों, पानी के स्त्रोत, खाली जमीन, निर्माण कार्यों और अन्य बुनियादी ढांचे की स्थिति दर्ज की जाएगी। जिसके आधार पर सेक्टरों में विकास कार्यों की प्राथमिकता तय की जाएगी।

हरित दिल्ली और वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए 17 विभागों को 22,236 करोड़ रुपये आवंटित

क्लीन दिल्ली, ग्रीन दिल्ली अब महज एक चुनावी नारा नहीं: सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी की वायु गुणवत्ता सुधारने और आने वाली पीढ़ियों को प्रदूषण-मुक्त भविष्य देने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए हाल में 'हरित बजट' का व्यापक और संतुलित खाका प्रस्तुत किया था। इस बजट में कुल 1,03,700 करोड़ रुपये के राज्य बजट में से 22,236 करोड़ रुपये (21.44 प्रतिशत) विशेष रूप, से हरित योजनाओं के लिए निर्धारित किए गए हैं, जो सरकार की पर्यावरणीय प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। इस ग्रीन बजट के तहत दिल्ली को हरा-भरा बनाने की जिम्मेदारी अब अलग-अलग विभागों को सुनियोजित तरीके से सौंपी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि कुल 17 प्रमुख विभागों को चरणबद्ध रूप में धनराशि आवंटित की गई है ताकि हर क्षेत्र में समन्वित तरीके से काम हो सके। यह जानकारी रविवार को एक विज्ञप्ति के जरिए दी गई।

मुख्यमंत्री के अनुसार ग्रीन बजट का सबसे बड़ा हिस्सा लगभग 6,485 करोड़ रुपये दिल्ली जल बोर्ड को दिया गया है, जिसका उपयोग यमुना की सफाई और जल उपचार परियोजनाओं में किया जाएगा। इसके बाद परिवहन विभाग को 4,758 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिनका लक्ष्य ई-बसों को बढ़ावा देना और स्वच्छ परिवहन प्रणाली को मजबूत करना है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को 3,350 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जिनसे धूल नियंत्रण और हरित बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना विभाग को 2,350 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं ताकि विभिन्न हरित परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार की जा सके। शहरी विकास विभाग और डूसिब को मिलाकर 2,273 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जिनका उपयोग विशेष पर्यावरणीय अभियानों में होगा। वहीं, बिजली विभाग को 1,410 करोड़ रुपये सौर और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने के लिए आवंटित किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, अन्य विभागों को भी 'हरित कोष' के तहत महत्वपूर्ण राशि दी गई है। पर्यावरण विभाग को प्रदूषण नियंत्रण की प्रमुख योजनाओं के लिए 558 करोड़ रुपये, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को जल संरक्षण कार्यों के लिए 305 करोड़ रुपये, और विकास विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में हरित विकास को बढ़ावा देने के लिए 258 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वन विभाग को वृक्षारोपण और वन्यजीव संरक्षण के लिए 181 करोड़ रुपये, पर्यटन विभाग को पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 102 करोड़ रुपये और शिक्षा विभाग को विद्यालयों में हरित पहलों के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसी क्रम में उद्योग विभाग को औद्योगिक प्रदूषण कम करने के लिए 42 करोड़ रुपये, स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों में पर्यावरणीय सुधार के लिए 31 करोड़ रुपये, और राजस्व विभाग को आपदा प्रबंधन एवं हरित सर्वेक्षण के लिए 23 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग को हरित कौशल विकास के लिए 7 करोड़ रुपये तथा उच्च शिक्षा विभाग को शोध और पर्यावरण अध्ययन के लिए 2 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस तरह, ग्रीन बजट-2026-27 के जरिए दिल्ली सरकार ने एक समग्र, विभागवार और चरणबद्ध रणनीति अपनाते हुए राजधानी को स्वच्छ, हरित और टिकाऊ शहर में बदलने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि 'क्लीन दिल्ली, ग्रीन दिल्ली' अब महज एक चुनावी नारा नहीं, बल्कि जहरीली हवा और बढ़ते तापमान के खिलाफ सरकार का एक ठोस व निर्णायक प्रहार है। दिल्ली सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को अपनी राजकोषीय नीति का केंद्र बनाने के लिए 'ग्रीन बजटिंग' की शुरुआत की है। यह पहल केवल सरकारी खर्च का लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि प्रदूषण के खिलाफ जंग और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एक मजबूत ढांचा है। उन्होंने कहा कि कि दिल्ली सरकार पर्यावरण के लिए 'नैतिक जिम्मेदारी' है।

सरकार मानती है कि पर्यावरण अब सरकारी नीति की प्राथमिकता है क्योंकि जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों का कम होना एक गंभीर चुनौती है। इस 'ग्रीन बजट' के माध्यम से सार्वजनिक खर्च और निवेश को इस तरह दिशा दी जाएगी कि वह सतत विकास और जैव विविधता की रक्षा में सहायक हो सके।

मेट्रो स्टेशन पर रोती मिली किशोरी, पुलिस ने काउंसलिंग कर परिवार से मिलाया

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो परिसर में संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए मेट्रो यूनिट पुलिस ने एक परेशान किशोरी को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया। यह घटना 4 अप्रैल की है, जब आनंद विहार मेट्रो स्टेशन पर गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों की नजर एक रोती हुई लड़की पर पड़ी।

मेट्रो का काम देख रहे पुलिस उपायुक्त बी भरत रेड्डी ने रविवार को बताया कि हेड कांस्टेबल आदर्श और महिला कांस्टेबल सुनीता नियमित गश्त पर थे। इसी दौरान उन्होंने मेट्रो स्टेशन के अंदर एक किशोरी को अकेले बैठे रोते हुए देखा। उसकी हालत को देखते हुए दोनों पुलिसकर्मी तुरंत उसके पास पहुंचे और उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाकर बातचीत शुरू की।

शुरुआत में लड़की काफी घबराई हुई थी और कुछ भी बताने से हिचक रही थी। महिला कांस्टेबल ने उसे शांतिपूर्वक समझाया और भरोसा दिलाया। धीरे-धीरे वह सहज हुई और अपनी पहचान व घर का पता बताया। पूछताछ में सामने आया कि वह पिछले दो-तीन दिनों से पढ़ाई को लेकर परिवार के दबाव में मानसिक तनाव से गुजर रही थी। इसी कारण वह सुबह करीब चार बजे बिना बताए घर से निकल गई थी।

पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसके पिता से संपर्क किया। पिता ने पुष्टि की कि लड़की घर से बिना बताए चली गई थी और परिवार उसकी तलाश कर रहा था। उन्होंने तुरंत दिल्ली आने की बात कही और अपने रिश्तेदार को भी मौके पर भेजा।

कुछ ही देर में लड़की के चाचा अन्य परिजनों के साथ थाने पहुंचे और उसकी पहचान की। बाद में पिता के पहुंचने पर सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी की गईं। परिवार को लड़की की स्थिति के बारे में जानकारी दी गई और मेडिकल जांच की सलाह भी दी गई, हालांकि परिजनों ने बताया कि वह सामान्य है। सभी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद किशोरी को सुरक्षित उसके पिता के सुपुर्द कर दिया गया।

एक पेड़ मां के नाम' आन संडे अभियान के तहत लक्ष्मीबाई नगर में किया वृक्षारोपण

नई दिल्ली। 'एक पेड़ मां के नाम' आन संडे अभियान के अंतर्गत जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने आज तिकोना पार्क, लक्ष्मीबाई नगर मार्केट (सेंट्रल गवर्नमेंट ऑफिसर्स आरडब्ल्यूए टाइप-3 एवं 4, लक्ष्मीबाई नगर) नई दिल्ली में वृक्षारोपण कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

चहल ने स्थानीय निवासियों के साथ पौधे लगाए और कहा कि "एक पेड़ मां के नाम" अभियान प्रधानमंत्री की प्रेरणा से प्रारंभ किया गया एक भावनात्मक एवं सामाजिक जन-अभियान है, जिसके माध्यम से लोगों को अपनी मां के सम्मान में एक पेड़ लगाने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के प्रति सम्मान, सामाजिक जिम्मेदारी और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित वातावरण सुनिश्चित करने का संकल्प भी है।

चहल ने बताया कि पालिका ने वर्षभर के लिए एक " ग्रीन कैलेंडर" तैयार किया है, जिसके अंतर्गत हर रविवार को क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि एनडीएमसी कि की हरित पहलें और नागरिक सेवाओं से जुड़ी गतिविधियांप्रधानमंत्री के "विकसित भारत @2047" के विजन के अनुरूप हैं, जहां स्वच्छ हवा, स्वस्थ वातावरण और सतत शहरी विकास को विशेष महत्व दिया गया है। ऐसे अभियानों के माध्यम से एनडीएमसी केवल हरित क्षेत्र बढ़ाने का कार्य कर रही है, बल्कि नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को भी सुदृढ़ कर रही है।

सुरेंद्र फौजी गैंग का बदमाश राकेश बंजारा गिरफ्तार

नई दिल्ली। पुलिस के उत्तर-पश्चिम जिला की स्पेशल स्टाफ टीम ने कुख्यात सुरेंद्र फौजी गैंग के सक्रिय सदस्य और हिस्ट्रीशीटर राकेश बंजारा को अवैध अत्याधुनिक पिस्टल व तीन कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित 25 से अधिक आपराधिक मामलों में संलिप्त पाया गया है।

पुलिस के अनुसार आरोपित हरियाणा के कुख्यात अपराधी गिरोह से जुड़ा है और लंबे समय से विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। उत्तरी पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि तीन अप्रैल को गुप्त सूचना मिली थी कि राकेश बंजारा अपने रिश्तेदारों से मिलने हैदरपुर गांव आएगा और उसके पास अवैध हथियार भी है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए स्पेशल स्टाफ प्रभारी निरीक्षक सोमवीर सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

टीम ने हैदरपुर स्थित द वेंचर होटल के पास जाल बिछाया। देर रात करीब 3:15 बजे एक स्विफ्ट कार को आते देखा गया, जिसे संदेह के आधार पर रोका गया। कार में सवार व्यक्ति ने पूछताछ में अपनी पहचान राकेश बंजारा बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अत्याधुनिक पिस्टल बरामद हुई, जिसकी मैगजीन में तीन कारतूस लोड थे। पुलिस ने हथियार व कारतूस को विधिक प्रक्रिया के तहत जब्त कर लिया। साथ ही जिस कार से वह आया था, उसे भी कब्जे में लिया गया।

पूछताछ में आरोपित ने स्वीकार किया कि वह गुरुग्राम व आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय रहा है और हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती व आर्म्स एक्ट के मामलों सहित 25 से अधिक मामलों में शामिल रहा है। उसने यह भी बताया कि गैंग प्रतिद्वंद्विता और व्यक्तिगत दुश्मनी के चलते वह अपनी सुरक्षा के लिए अवैध हथियार रखता था।

आरोपित ने बताया कि यह पिस्टल उसने करीब तीन वर्ष पहले हापुड़ निवासी इकबाल नामक व्यक्ति से से खरीदी थी। सत्यापन में सामने आया कि उसके ससुराल पक्ष के लोग हैदरपुर गांव में रहते हैं और वह सामाजिक कारणों से वहां आया था। उसके मोबाइल फोन की जांच में कोई आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली, हालांकि गूगल मैप्स टाइमलाइन बंद पाई गई।

रेल नीर घोटाला: जांच एजेंसियों के खुलासे से संबंधित RTE डेटा देने से इनकार पर IRCTC को फटकार

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना आयोग ने भारतीय रेलवे की खानपान इकाई भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) को, एक आरटीआई अर्जी पर सूचना देने से इनकार करने के लिए फटकार लगाई है। उक्त अर्जी में यह सवाल किया गया था कि क्या रेलवे निविदाओं के लिए बोली लगाने वाली कंपनियों ने रेल नीर 'घोटाले' और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा जांच किए जा रहे संबंधित मामलों से अपने कथित संबंधों का खुलासा किया था। आरटीआई आवेदक ने आईआरसीटीसी से सवाल किया था कि क्या बोली लगाने वालों ने अपने टेंडर दस्तावेजों में अपने खिलाफ जारी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या प्रवर्तन निदेशालय मामलों, यदि हैं तो, का स्पष्ट उल्लेख किया है।

रेल नीर ''घोटाला'' 2015 का एक भ्रष्टाचार का मामला था, जिसकी जांच सीबीआई ने की। इसमें निजी खानपान कंपनियों ने प्रीमियम ट्रेनों (जैसे राजधानी और शताब्दी) में निर्धारित "रेल नीर" पानी की जगह सस्ता बोतलबंद पानी की आपूर्ति की जिससे रेलवे को करीब 19.5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

आरटीआई में विशेष रूप से सवाल किया गया था कि क्या बोली लगाने वालों यह घोषित किया था कि वे ₹कुख्यात रेल नीर घोटाले में आरोपी₹ हैं और सीबीआई ने ₹उनके खिलाफ प्राथमिकी (आरसी-डीएआई-2015-ए-0032) दर्ज की है।" इसमें यह भी सवाल किया गया था कि क्या उन्होंने यह खुलासा किया था कि ईडी ने आईपीसी की धारा 120बी और धारा 420 तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(2) और 13(1)(डी) के तहत मामला दर्ज किया था। आवेदक यह भी सवाल किया कि क्या बोली लगाने वालों ने इन मामलों में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में अधिकारियों को सूचित किया था, जैसे कि छापेमारी, नकदी जब्ती और यह बताया था कि क्या एजेंसियों द्वारा अदालत में कोई ''आरोपपत्र'' या ''शिकायत'' दाखिल की गई थी।

कुल मिलाकर, आरटीआई का उद्देश्य यह जांचना था कि क्या सरकारी निविदाओं में भाग लेते समय कंपनियां अपने खिलाफ जारी जांचों के बारे में पारदर्शी थीं। हालांकि, आईआरसीटीसी ने आंकड़े देने से इनकार करते हुए कहा, मांगी गई जानकारी को सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 8 (डी) के तहत खुलासा करने से छूट है।

सुनवाई के दौरान, अपीलकर्ता ने दलील दी कि जानकारी व्यापक जनहित₹ में मांगी गई थी और उसे ₹गलत तरीके से देने से इनकार कर दिया गया।₹ अपीलकर्ता ने दावा किया कि वह आरटीआई कानून के तहत ऐसी जानकारी प्राप्त करने का हकदार है। प्रतिवादी अधिकारियों ने अपने रुख का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने ''अपीलकर्ता को छूट के बारे में स्पष्ट रूप से सूचित किया था'' और प्रथम अपीलीय प्राधिकारी ने उनके जवाब को सही ठहराया था।

किताब-वर्दी छूट पर सरकार घिरी, 'देरी से राहत' करार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारा निजी स्कूलों में किताब, वर्दी और अन्य सामग्री की खरीद को लेकर जारी निर्देशों पर सियासत तेज हो गई है। दिल्ली कांग्रेस ने इसे सरकार की "देरी से दी गई राहत" बताते हुए उसकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि यह आदेश पुराने कानूनों का ही दोहराव है, जिसे समय पर लागू नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार 14 महीने तक अभिभावकों की समस्याओं पर मौन रही और अब आदेश जारी कर अपनी नाकामी स्वीकार कर रही है।

करावल नगर कांग्रेस जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने कहा कि शिक्षा अधिनियम और नियम पहले से ही स्कूलों को किसी विशेष विक्रेता से खरीद के लिए बाध्य करने से रोकते हैं। इसके बावजूद पूरे सत्र में अभिभावकों की शिकायतों पर कार्रवाई नहीं हुई, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ा।

उन्होंने फीस वृद्धि के मुद्दे को भी गंभीर बताते हुए कहा कि कई निजी स्कूलों ने 20 से 80 प्रतिशत तक फीस बढ़ाई, लेकिन इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया। उनके अनुसार, फीस निर्धारण से जुड़े नए कानून के बावजूद अभिभावकों को राहत नहीं मिल सकी।

आदेश भारद्वाज ने शिक्षा की गुणवत्ता पर भी चिंता जताई और कहा कि राष्ट्रीय स्तर की तुलना में दिल्ली के छात्रों का प्रदर्शन कमजोर है।

डीयू में 'कैंपस लोकतंत्र के लिए दौड़' मैराथन के साथ एनएसयूआई स्थापना दिवस सप्ताह की शुरुआत

नई दिल्ली। एनएसयूआई ने अपने स्थापना दिवस (9 अप्रैल) के उपलक्ष्य पर आयोजित सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों की शुरुआत दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में 'कैंपस लोकतंत्र के लिए दौड़' मैराथन के साथ की। यह कार्यक्रम एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय परिसरों में लोकतांत्रिक मूल्यों पर बढ़ते खतरे के बीच, हजारों छात्रों ने उत्साहपूर्वक इस मैराथन में भाग लिया और कैंपस लोकतंत्र तथा छात्र अधिकारों की रक्षा के समर्थन में एक सशक्त और एकजुट संदेश दिया। यह विशाल भागीदारी छात्रों के सामूहिक संकल्प को दर्शाती है कि वे लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि उनकी आवाज सुनी जाए। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि 9 अप्रैल एनएसयूआई का स्थापना दिवस है।

इस अवसर को चिह्नित करने के लिए हमने एक सात दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया है, जिसका उद्देश्य यह उजागर करना है कि देश का संविधान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता किस प्रकार खतरे में हैं। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली विश्वविद्यालय में 'कैंपस लोकतंत्र के लिए दौड़' में हजारों छात्रों ने भाग लिया, ताकि हमारे कैंपस लोकतंत्र की रक्षा की जा सके। इस दौड़ का एक स्पष्ट उद्देश्य है—दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर छात्र आवाजों के दमन के विरुद्ध अपनी आवाज उठाना। इस प्रकार की कार्रवाइयां लोकतंत्र की भावना के विपरीत हैं।

दिल्ली के कई इलाकों में दो दिन जलापूर्ति बाधित, जल बोर्ड ने दी जानकारी

नई दिल्ली। राजधानी के कई क्षेत्रों में 6 और 7 अप्रैल को जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। दिल्ली जल बोर्ड ने बताया कि यह बाधा वार्षिक फ्लशिंग कार्यक्रम के तहत रखरखाव कार्य के कारण होगी।

जल बोर्ड के अनुसार, 6 अप्रैल को सुल्तानपुरी, मंगोलपुरी, रोहिणी सेक्टर-2 पॉकेट-4, करारा गांव और आसपास के इलाकों में पानी की आपूर्ति नहीं होगी। वहीं 7 अप्रैल को सुल्तानपुरी, रोहिणी सेक्टर-3 के विभिन्न पॉकेट और करारा गांव क्षेत्र प्रभावित रहेंगे। अधिकारियों ने बताया कि भूमिगत जलाशयों और बूस्टर पंपिंग स्टेशनों की सफाई और रखरखाव के लिए यह कार्य आवश्यक है, जिससे जल की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे पहले से पर्याप्त पानी का भंडारण कर लें। जल बोर्ड ने वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में पानी के टैंकर उपलब्ध कराने की भी जानकारी दी है। जरूरत पड़ने पर उपभोक्ता निर्धारित हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर टैंकर मंगवा सकते हैं। अधिकारियों का कहना है कि रखरखाव कार्य पूरा होते ही जलापूर्ति सामान्य कर दी जाएगी।

बुराड़ी की जर्जर सड़कों पर फूटा लोगों का गुस्सा, विरोध मार्च निकालकर दी आंदोलन की चेतावनी

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के बुराड़ी क्षेत्र में जर्जर सड़कों को लेकर लोगों का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दिया। रविवार को 'बुराड़ी बंद' के तहत बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों, सामाजिक संगठनों और व्यापारियों ने विरोध मार्च निकालकर प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि एक माह के भीतर सड़कों की हालत नहीं सुधारी गई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

सुबह शुरू हुआ विरोध मार्च बुराड़ी मोड़ से बाबा कॉलोनी, क्रॉस रोड, लेबर चौक, संत नगर मेन बाजार होते हुए आगे बढ़ा। प्रदर्शनकारियों का लक्ष्य बुराड़ी मेट्रो स्टेशन तक पहुंचना था, लेकिन पुलिस ने पेप्सी कॉलोनी रोड पर बैरिकेडिंग कर मार्च को रोक दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड पर चढ़कर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी नाराजगी जाहिर की। सुरक्षा के मद्देनजर क्षेत्र में पुलिस बल तैनात रहा और कई मार्गों पर यातायात को डायवर्ट किया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि करीब चार वर्षों पहले सीवर लाइन बिछाने के लिए सड़कों की खुदाई की गई थी, लेकिन कार्य आज तक पूरा नहीं हुआ। इसके चलते सड़कों की हालत बेहद खराब हो चुकी है। संत नगर, तोमर कॉलोनी, झड़ौदा, बुराड़ी गांव, जगतपुर, मुखमेलपुर, नत्थूपुरा, लक्ष्मी विहार सहित कई क्षेत्रों के लोग इससे प्रभावित हैं।

प्रदर्शन में शामिल सामाजिक कार्यकर्ता जितेंद्र फुलारा ने बताया कि उन्होंने 'वॉइस आफ बुराड़ी' अभियान शुरू किया है और यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। सेवा संकल्प दल के अध्यक्ष नरेंद्र सोनी ने कहा कि जर्जर सड़कों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे लोगों का जीवन खतरे में है।

आरडब्ल्यूए फेडरेशन बुराड़ी के चेयरमैन मंगेश त्यागी ने चेतावनी दी कि एक माह के भीतर स्थिति नहीं सुधरी तो आंदोलन और बड़ा होगा। वहीं झड़ौदा क्षेत्र के निवासी बबलू मौर्या ने बताया कि गड्ढों और जलभराव के कारण जाम की समस्या गंभीर हो गई है, जिससे लोगों को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

बुराड़ी बंद को कई सामाजिक संगठनों, बाजार संघों और रामलीला समितियों का समर्थन मिला। संत नगर, अमृत विहार, नत्थूपुरा और बुराड़ी मुख्य मार्ग के व्यापारियों ने दुकानें बंद कर प्रदर्शन में भाग लिया।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि बुराड़ी मुख्य मार्ग, जो आसपास की कॉलोनियों को जोड़ता है, वर्षों से बदहाल स्थिति में है। उन्होंने प्रशासन से जल्द मरम्मत कार्य शुरू कर क्षेत्र के लोगों को राहत देने की मांग की है।

सरकारी दवाओं की कालाबाजारी का संगठित रैकेट ध्वस्त, पांच गिरफ्तार, 70 लाख की दवाएं बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सरकारी अस्पतालों में मुफ्त वितरण के लिए आने वाली दवाओं की कालाबाजारी करने वाले एक बड़े संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में करीब 70 लाख रुपये कीमत की दवाएं बरामद की गई हैं। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जिनमें अस्पताल कर्मी भी शामिल हैं।

क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने रविवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की एनआर-2 टीम के इंस्पेक्टर नीरज शर्मा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की। पुलिस को एसआई प्रीतम चंद द्वारा विकसित की गई पुख्ता सूचना के आधार पर इस गिरोह का सुराग मिला था। इसके बाद एक विशेष टीम का गठन कर दो अप्रैल को तीस हजारी स्थित जय भारत ट्रांसपोर्ट, राजेंद्र मार्केट में छापा मारा गया।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने नीरज कुमार, सुशील कुमार और लक्ष्मण मुखिया को एक महिंद्रा चैंपियन टेंपो और एक कार में भारी मात्रा में दवाएं ले जाते हुए गिरफ्तार किया। बरामद दवाओं में एंटीबायोटिक्स और गंभीर बीमारियों में उपयोग होने वाली इंजेक्शन शामिल हैं, जैसे सेफिक्सिम, अमॉक्सीसिलिन, सेफ्ट्रियाक्सोन, मेरोपेनम और रेबीज एंटीसीरम आदि।

पुलिस उपायुक्त के अनुसार पूछताछ में खुलासा हुआ कि यह गिरोह पिछले डेढ़ साल से सक्रिय था और दिल्ली से सरकारी दवाएं अवैध रूप से निकालकर विभिन्न शहरों में सप्लाई कर रहा था। मुख्य आरोपित नीरज कुमार सहारनपुर का थोक दवा व्यापारी है, जो 'आदित्य फार्मेसी' के नाम से कारोबार करता है। वह इन दवाओं को सस्ते में खरीदकर बाजार में बेचता था।

जांच के दौरान पुलिस ने दो और आरोपितों को दबोचा। जिनमें डीडीयू अस्पताल का फार्मासिस्ट/स्टोर कीपर बिनेश कुमार और कॉन्ट्रैक्ट हेल्पर प्रकाश मेहतो शामिल हैं। ये दोनों अस्पताल के स्टॉक से दवाएं निकालकर रिकॉर्ड में हेरफेर करते थे और गिरोह के अन्य सदस्यों को सप्लाई करते थे। पुलिस के अनुसार, सुशील कुमार परिवहन में सहयोग करता था, जबकि लक्ष्मण मुखिया टेंपो चालक के रूप में बड़ी खेप को ट्रांसपोर्ट हब तक पहुंचाता था। गिरोह के सदस्य आपस में बिचौलियों के जरिए जुड़े हुए थे और डिजिटल माध्यमों से लेनदेन भी करते थे।

पुलिस अधिकारी के अनुसार सभी बरामद दवाओं और वाहनों को जब्त कर लिया है और संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। अब पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने, वित्तीय लेनदेन की जांच करने और पूरे रैकेट की जड़ तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

संपादकीय

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं।

इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।

संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं।

भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

भाजपा के 47 साल बेमिसाल लहराया जीत का परचम

दिलीप कुमार पाठक

भाजपा की वैचारिक यात्रा का मूल आधार अंत्योदय और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के दो मजबूत स्तंभ थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सपना था कि विकास की कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति का उदय हो। हालांकि, उज्ज्वला से लेकर मुफ्त राशन और सीधे बैंक खातों में मदद जैसी बड़ी योजनाओं ने एक बड़ा लाभार्थी वर्ग तैयार किया है, जिसे पार्टी अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानती है। लेकिन क्या कल्याणकारी योजनाओं का यह दाता और याचक वाला मॉडल असल सशक्तिकरण है? आज की राजनीति सेवा से ज्यादा आयोजन प्रबंधन और डिजिटल प्रचार पर टिकी नजर आती है। जिस नैतिक बल और सादगी की मिसाल पुराने दौर के नेता देते थे, उसकी जगह अब चकाचौंध और भारी-भरकम चुनावी मशीनरी ने ले ली है। विकास के दावों के बीच यह सवाल अक्सर दबी जुबान में पूछा जाता है कि क्या हम बुनियादी मुद्दों के बजाय केवल भावनात्मक और सांकेतिक राजनीति के जाल में तो नहीं उलझ गए हैं? एक जीवंत लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष का होना उतना ही जरूरी है जितना कि एक स्पष्ट बहुमत वाली सरकार का होना।

6 अप्रैल 1980 को मुंबई के समंदर किनारे जब अटल बिहारी वाजपेयी ने अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा का उद्घोष किया था, तो वह केवल एक चुनावी नारा नहीं बल्कि एक वैकल्पिक राजनीति का संकल्प था। आज 2026 में जब भारतीय जनता पार्टी अपना 47वां स्थापना दिवस मना रही है, तो इसमें कोई दो राय नहीं कि वह दुनिया के सबसे बड़े और अजेय नजर आने वाले राजनीतिक संगठन के रूप में स्थापित हो चुकी है। लेकिन इस अभूतपूर्व सफलता के ऊंचे बुर्ज पर बैठकर जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो कुछ बुनियादी सवाल आज भी पार्टी की उस अलग तरह के दल वाली छवि का पीछा कर रहे हैं। क्या सत्ता के इस विशाल साम्राज्य को खड़ा करने की प्रक्रिया में वे आदर्श कहीं पीछे छूट गए हैं, जो इस दल की नींव में रखे गए थे? भारतीय राजनीति के इस लंबे सफर में भाजपा ने शून्य से शिखर तक की जो यात्रा तय की है, वह संगठनात्मक कौशल का अद्भुत उदाहरण तो है, पर क्या यह सफर अपनी मूल शुचिता को भी साथ लेकर चल पाया है?

भाजपा की वैचारिक यात्रा का मूल आधार अंत्योदय और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के दो मजबूत स्तंभ थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सपना था कि विकास की कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति का उदय हो। हालांकि, उज्ज्वला से लेकर मुफ्त राशन और सीधे बैंक खातों में मदद जैसी बड़ी योजनाओं ने एक बड़ा लाभार्थी वर्ग तैयार किया है, जिसे पार्टी अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानती है। लेकिन क्या कल्याणकारी योजनाओं का यह दाता और याचक वाला मॉडल असल सशक्तिकरण है? आज की राजनीति सेवा से ज्यादा आयोजन प्रबंधन और डिजिटल प्रचार पर टिकी नजर आती है। जिस नैतिक बल और सादगी की मिसाल पुराने दौर के नेता देते थे, उसकी जगह अब चकाचौंध और भारी-भरकम चुनावी मशीनरी ने ले ली है। विकास के दावों के बीच यह सवाल अक्सर दबी जुबान में पूछा जाता है कि क्या हम बुनियादी मुद्दों के बजाय केवल भावनात्मक और सांकेतिक राजनीति के जाल में तो नहीं उलझ गए हैं?

एक जीवंत लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष का होना उतना ही जरूरी है जितना कि एक स्पष्ट बहुमत वाली सरकार का होना। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में विपक्ष मुक्त भारत की जिस अवधारणा को हवा दी गई, उसने लोकतांत्रिक संतुलन को बुरी तरह असहज किया है। जांच एजेंसियों के बढ़ते प्रभाव और विपक्षी नेताओं का बड़ी संख्या में भाजपा में शामिल होकर रातों-रात पवित्र हो जाना, पार्टी की उस शुचिता पर गहरा सवालिया निशान लगाता है जिसका दावा वह दशकों से करती आई है। क्या सत्ता पाने की व्याकुलता में किसी भी दल के दागी चेहरों को अपना लेना उस कार्यकर्ता आधारित संगठन के लिए सही है, जो कभी अपने सिद्धांतों पर गर्व करता था? आज पार्टी का ढांचा भी पहले की तुलना में अधिक व्यक्ति-केंद्रित हो गया है। सामूहिक नेतृत्व और आंतरिक विमर्श की जगह अब केवल ऊपर से आने वाले आदेशों और हां में हां मिलाने वाली संस्कृति ने ले ली है।

राम मंदिर का निर्माण, अनुच्छेद 370 का खात्मा और नागरिकता कानूनों जैसे मुद्दों पर उसे व्यापक जनसमर्थन मिला है, लेकिन क्या राष्ट्रवाद की इस प्रबल लहर ने देश की बुनियादी आर्थिक चुनौतियों को कालीन के नीचे धकेल दिया है? बढ़ती बेरोजगारी, मध्यम वर्ग पर महंगाई का लगातार बढ़ता बोझ और अमीर-गरीब के बीच बढ़ती गहरी खाई ऐसे कड़वे सच हैं, जिन्हें केवल भव्य आयोजनों और नारों से नहीं बदला जा सकता। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प तब तक अधूरा है जब तक देश का शिक्षित युवा रोजगार के लिए दर-दर भटक रहा है। बड़े व्यापारिक घरानों के साथ बढ़ती नजदीकियों ने भी यह धारणा पुख्ता की है कि पार्टी का झुकाव अब आम आदमी से हटकर खास प्रबंधकों की ओर हो गया है। स्थापना दिवस के इस महत्वपूर्ण अवसर पर भाजपा को गहराई से आत्ममंथन करने की जरूरत है। क्या वह केवल चुनाव जीतने वाली एक पेशेवर मशीन बनकर रहना चाहती है या वापस उस नैतिक राजनीति की ओर लौटेगी, जिसका वादा 1980 के मुंबई अधिवेशन में किया गया था? लोकतंत्र केवल बहुमत का नाम नहीं है, यह अल्पमत के सम्मान, आलोचना को पचाने की शक्ति और संस्थाओं की स्वायत्तता का नाम भी है। यदि भाजपा को आने वाले दशकों में अपनी साख और गौरवशाली इतिहास को बचाए रखना है, तो उसे अपनी जीत के अहंकार से ऊपर उठकर उन लोकतांत्रिक मूल्यों को फिर से गले लगाना होगा, जो उसकी स्थापना की मूल भावना थे। सत्ता तो आती-जाती रहती है, लेकिन जो विचार अपनी नैतिकता और लोक-लाज की परवाह करना छोड़ देता है, वह इतिहास की नजरों में अपनी चमक धीरे-धीरे खोने लगता है। आने वाला समय बताएगा कि कमल की यह पंखुड़ियाँ सिद्धांतों की महक फैलाती हैं या केवल सत्ता की धूप में मुरझा कर रह जाती हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियमः प्रतिनिधित्व से सशक्तिकरण तक

सौरभ वार्ष्णेय

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में महिलाओं की आबादी लगभग आधी है, लेकिन राजनीति में उनका प्रतिनिधित्व लंबे समय तक सीमित रहा। इसी असंतुलन को दूर करने के उद्देश्य से पारित महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) एक ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। यह अधिनियम लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करता है। यह कानून केवल सीटों का आरक्षण नहीं, बल्कि लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जब महिलाएं नीति-निर्माण में अधिक संख्या में शामिल होंगी, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर अधिक संवेदनशील और प्रभावी निर्णय सामने आ सकते हैं। हालांकि अधिनियम पारित हो चुका है, लेकिन इसका क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। यानी, इसके वास्तविक प्रभाव को देखने में समय लग सकता है। यह देरी कहीं न कहीं इसकी तत्काल प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। सिर्फ कानून बना देने से ही महिलाओं का सशक्तिकरण सुनिश्चित नहीं होता। समाज में पितृसत्तात्मक सोच, राजनीतिक दलों में टिकट वितरण की असमानता, और चुनावी खर्च जैसे मुद्दे अभी भी बाधा बने हुए हैं। इसलिए जरूरी है कि राजनीतिक दल भी महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाएं।यह अधिनियम राजनीतिक दलों की वास्तविक प्रतिबद्धता की भी परीक्षा है। क्या वे महिलाओं को केवल आरक्षित सीटों तक सीमित रखेंगे या सामान्य सीटों पर भी उन्हें पर्याप्त अवसर देंगे? यही इस कानून की सफलता का असली पैमाना होगा।नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। लेकिन इसकी सफलता केवल इसके पारित होने में नहीं, बल्कि इसके प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक मानसिकता में बदलाव पर निर्भर करेगी। यदि इसे सही भावना और नीतियों के साथ लागू किया गया, तो यह भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है। भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में महिलाओं की जनसंख्या लगभग आधी है, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व अभी भी सीमित बना हुआ है। यह स्थिति केवल आंकड़ों की असमानता नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती है। जब निर्णय लेने वाली संस्थाओं में समाज के आधे हिस्से की भागीदारी कम हो, तो नीतियों में उनकी जरूरतों और दृष्टिकोण का समुचित प्रतिबिंब कैसे दिखाई देगा? भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का इतिहास संघर्ष और धीरे-धीरे हुए विस्तार का रहा है। स्थानीय निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण ने निश्चित रूप से महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई है, जिससे ग्रामीण स्तर पर नेतृत्व के नए उदाहरण सामने आए हैं। लेकिन यही प्रगति राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नहीं दिखती। संसद में महिलाओं की संख्या अभी भी अपेक्षाकृत कम है, जो यह दर्शाती है कि राजनीतिक दलों की प्राथमिकताओं में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं मिल रहा। इस असंतुलन के पीछे कई कारण हैं–सामाजिक रूढ़िवादिता, आर्थिक निर्भरता, शिक्षा और अवसरों की कमी, तथा राजनीति में बढ़ता अपराधीकरण और धनबल। महिलाएं अक्सर चुनाव लडने के लिए आवश्यक संसाधनों और समर्थन से वंचित रहती हैं। साथ ही, राजनीतिक दल भी उन्हें विनिंग कैंडिडेट के रूप में कम आंकते हैं, जिससे टिकट वितरण में भेदभाव दिखाई देता है।हालांकि, हाल के वर्षों में महिला आरक्षण विधेयक को लेकर चर्चा और पहल ने उम्मीद जगाई है। यदि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू होता है, तो यह एक ऐतिहासिक कदम होगा, जो न केवल प्रतिनिधित्व बढ़ाएगा बल्कि नीति-निर्माण में संतुलन भी लाएगा।फिर भी, केवल आरक्षण ही समाधान नहीं है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता, और सामाजिक सोच में बदलाव भी उतना ही आवश्यक है। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे स्वेच्छा से अधिक संख्या में महिलाओं को टिकट दें और नेतृत्व के अवसर प्रदान करें। साथ ही, समाज को भी महिलाओं के नेतृत्व को स्वीकार करने की मानसिकता विकसित करनी होगी। एक सशक्त लोकतंत्र वही है जिसमें हर वर्ग की आवाज बराबरी से सुनी जाए। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल उनका अधिकार नहीं, बल्कि देश के समग्र विकास और बेहतर शासन की अनिवार्यता है। अब समय आ गया है कि आधी आबादी को आधा प्रतिनिधित्व भी मिले।

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी लंबे समय से चर्चा का विषय रही है। देश की लगभग आधी आबादी होने के बावजूद संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व सीमित रहा है। ऐसे में महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) का पारित होना न केवल राजनीतिक सुधार का संकेत है, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी है। इस बिल के लागू होने को जनगणना और परिसीमन से जोड़ा गया है, जिससे इसकी प्रभावी क्रियान्वयन में कुछ समय लग सकता है। यही वह बिंदु है, जिस पर विपक्ष और कई विशेषज्ञ सवाल उठा रहे हैं। उनका मानना है कि यदि सरकार वास्तव में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देती है, तो इसे जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए। इसके अलावा, यह भी जरूरी है कि आरक्षण केवल संख्या तक सीमित न रहे, बल्कि महिलाओं को वास्तविक नेतृत्व और निर्णय लेने की शक्ति भी मिले। इसके लिए राजनीतिक दलों को अपनी आंतरिक संरचनाओं में भी बदलाव लाने होंगे और महिलाओं को टिकट वितरण में प्राथमिकता देनी होगी। महिला आरक्षण बिल भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी और प्रतिनिधिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे कितनी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाता है।

गीता का संदेश: मोह से मुक्ति और कर्म से युक्ति

श्रीमद्भगवत गीता भगवान श्रीकृष्ण के मुखारविंद से निकला वह दिव्य उपदेश हैं, जिसे स्वयं श्री हरि ने मानव जाति के कल्याण के लिए दिया। गीता के कर्म सिध्दांत को अपना कर तमाम समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है। गीता का मूल संदेश मोह से मुक्ति और कर्म से युक्ति है। अजहर हाशमी ने जिस तरह गीता का विश्लेषण किया, उससे बढ़िया विश्लेषण शायद कोई दूसरा कर सके। हाशमी लिखते हैं, गीता के कर्म और कुरआन के मर्म में कोई अंतर नहीं है। कुरआन की पवित्र आयतें भी दया और दान की बात करती हूं और गीता का 17वां अध्याय भी दान की प्रासंगिकता सिध्द करती है। दान-दया की बात बाइबल में भी है। आज के हालात में गीता की उपयोगिता स्वयंसिध्द है। कर्म के बिना विकास की बात कोरी कल्पना है। गीता अशांति के समुद्र में शांति का द्वीप है। ज्ञान से हम आत्मा और भक्ति से परमात्मा को जान सकते हैं, किन्तु कर्म से आत्मा और परमात्मा दोनों को जान सकते हैं। कर्म के बिना ज्ञान अधूरा और भक्ति अपूर्ण है। ज्ञान गीता का मस्तिष्क है, भक्ति गीता का हृदय है, किन्तु कर्म गीता की आत्मा है। सारांश यह है कि गीतों निक्रियता का निष्कासन और सक्रियता का सिंहासन है। गीता भक्ति के माथे पर ज्ञान का गुलाल और कर्म का कुंकुम है। गीता, भक्ति की भावना से ज्ञान के कंधों पर पुरुषार्थ की पालकी है। गीता, ज्ञान के सितार पर भक्ति के सरगम में कर्म का संगीत है। गीता, ज्ञान का गीत, भक्ति का भजन और कर्म की कविता है। गीता, ज्ञान की गंगा में भक्ति की नाव है, जो पुरुषार्थ की पतवार से पार पहुंचाती है। गीता, ज्ञान के बगीचे में भक्ति के वृक्ष पर निरंतर कूकने वाली कर्म की कोयल है। यह विश्लेषण गीता की महानता बताता है। दरअसल, गीता, ज्ञान और भक्ति के तटों के बीच बहने वाली कर्म की नदी है। तटों का महत्व नदी के प्रवाह के संदर्भ में ही समझा जा सकता है। यदि कर्म का पानी अर्थात् पुरुषार्थ का प्रवाह सूख जाता है तो ज्ञान भक्ति का कोई औचित्य नहीं रहता, क्योंकि कर्म के पानी के सूखने का अर्थ है नदी का सूखना और सूखी नदी के तटों का कोई औचित्य नहीं। कर्म ही गीता का केन्द्र है। ज्ञान के लिए भी कर्म आवश्यक है। कर्म की कुंजी से ही ज्ञान और भक्ति के ताले खोले जा सकते हैं।

आज का इतिहास

1606 - राजकुमार खुसरो ने अपने पिता मुगल शासक जहांगीर के खिलाफ बगावत की।
1896 - आधुनिक ओलंपिक खेलों की शुरूआत।
1906 - पहले एनिमेटिड कार्टून के लिए कॉपीराइट हासिल किया गया।
1917 - प्रथम विश्वयुद्ध में अमेरिका ने जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1919 - महात्मा गांधी ने रॉलेट एक्ट के खिलाफ पहली बार अखिल भारतीय हड़ताल का आह्वान किया।
1925 - विमान में पहली बार फिल्म दिखाई गई, विमान ब्रिटिश एयरवेज का था।
1930 - महात्मा गांधी ने स्वतंत्र भारत की मांग के साथ सविनय अवज्ञा आन्दोलन आन्दोलन छेड़ा।
1936 - एएनपी ने एम्स्टर्डम में पहली टेलेक्स सेवा शुरू की।
1942 - जापानी लड़ाकू विमानों ने पहली बार भारतीय क्षेत्रों पर बमबारी की।
1955 - अमेरिका ने परमाणु परीक्षण किया।
1957 - सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षण किया।
1966 - भारतीय तैराक मिहिर सेन ने पाक जलडमरूमध्य तैर कर पार किया।
1980 - भारतीय जनता पार्टी की स्थापना।
1982 - दक्षिण अटलांटिक महासागर में स्थित उपनिवेश फ़ाकलैंड पर अर्जेन्टीना ने अधिकार किया।
1985 - पाब्लो पिकासो के समकालीन विश्वविख्यात कलाकार मार्क शागल का पेरिस में देहांत।
1998 - गोरी प्रक्षेपास्त्र का पाकिस्तान द्वारा सफल प्रक्षेपण।
1999 - नेपाल में पुनः पांच सौ रुपये के भारतीय नोट चलाने की घोषणा।
2000 - कराची की एक अदालत ने आतंकवाद व विमान अपहरण के मामले में अपदस्थ प्रधानमंत्री नवाज शरीफ़ को उम्र क़ैद की सजा सुनायी।
2003 - उत्तरी होंडुरास की जेल में हुए दंगे के कारण 86 क़ैदी मारे गये।
2005 - कुर्द नेता जलाल तालाबानी को ईराक का नया राष्ट्रपति चुना गया।
2007 - बांग्ला लेखिका लीला मजूमदार का निधन।
2008 - केन्द्र की संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के मंत्रिमण्डल में सात नए चेहरों को शामिल किया गया।

दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है ईरान युद्ध

मनोज कुमार अग्रवाल

अमेरिका इजराइल-ईरान वार दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला रहा है। जान लीजिए कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहा,बल्कि इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ-साथ भारत की जेब पर भी साफ दिखने लगा है। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत जिस तरह से महंगाई के झटके के साथ हुई है, वह इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में आर्थिक चुनौतियां और गंभीर हो सकती हैं। ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी, सप्लाई चेन में बाधा और वैश्विक अनिशितता, ये सभी कारक मिलकर भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव बना रहे हैं। अप्रैल के पहले ही दिन जिस तरह एलपीजी, हवाई इंधन (एटीएफ) और प्रीमियम ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि हुई, उसने आम आदमी से लेकर उद्योग जगत तक सभी को प्रभावित किया है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी और एटीएफ का रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचना यह दर्शाता है कि ऊर्जा क्षेत्र में संकट गहराता जा रहा है। हालांकि आम पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तत्काल बदलाव नहीं किया गया, लेकिन प्रीमियम ईंधन महंगा होने से परिवहन और लॉजिस्टिक्स लागत पर असर पड़ना तय है। इसका सीधा असर वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों पर पड़ता है, जिससे महंगाई बढ़ती है। आमतौर पर हर युद्ध महंगाई बढ़ाने का कारण बनता है, लेकिन इस संघर्ष में खाड़ी देश शामिल हैं, जो दुनिया की ज्यादातर कच्चे तेल और गैस की जरूरत पूरी करते हैं, इसलिए ऊर्जा की कीमतें बढ़ने से महंगाई और तेजी से बढ़ती है। इसके अलावा समुद्री व्यापार के रास्तों में रुकावट के कारण सामान और कच्चे माल की कमी भी महंगाई बढ़ाती है।

जैसे-जैसे युद्ध लंबा खिंचता है, यह समस्या और गंभीर होती जाती है। महंगाई से लोगों की खरीदने की क्षमता कम हो जाती है, जरूरी सामान की कमी होती है और सरकारों की इन खर्चों को संभालने की क्षमता भी कम हो जाती है, जिससे सामाजिक अशांति का खतरा बढ़ता है। यह साफ है कि युद्ध की वजह से बढ़ती महंगाई और जरूरी सामान की कमी का सीधा असर आम आदमी पर पड़ता है। इसके अलावा सामाजिक अशांति भी होगी, जिसका असर आम लोगों पर ही पड़ेगा।दरअसल भारत अपनी जरूरत का लगभग 80 से 90 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। वर्तमान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं, जो भारत जैसे आयात-निर्भर देश के लिए चिंता का विषय है। तेल की कीमत बढ़ने से केवल पेट्रोल-डीजल ही महंगे नहीं होते, बल्कि बिजली उत्पादन, परिवहन और उद्योगों की लागत भी बह जाती है। यही कारण है कि महंगाई का प्रभाव व्यापक होता है। हालांकि राहत की बात यह है कि भारत के पास फिलहाल खाद्यान का पर्याप्त भंडार है। गेहूं और चावल की उपलब्धता मजबूत है, जिससे तत्काल खाद्य संकट की आशंका नहीं है। लेकिन खतरा भविष्य में है। भारत उर्वरकों और कुछ कृषि इनपुट के लिए खाड़ी देशों पर निर्भर है। यदि युद्ध लंबा खिंचता है और सप्लाई प्रभावित होती है, तो इसका असर खेती और खाद्य उत्पादन पर भी पड़ सकता है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों पर भी युद्ध का असर पड़ता है। शिपिंग महंगी होती है, बीमा लागत बढ़ती है और कई बार रास्ते असुरक्षित हो जाते हैं। इससे आयात-निर्यात दोनों प्रभावित होते हैं। भारत जैसे देश के लिए, जो वैश्विक व्यापार पर निर्भर है, यह एक बड़ी चुनौती बन सकता है। एक और महत्वपूर्ण पहलू है विदेशी मुद्रा और रेमिटेंस। खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय काम करते हैं और वहां से भेजी गई रकम भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। यदि युद्ध के कारण यहां की अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है, तो इसका असर भारत में आने वाली इस आय पर भी पड़ सकता है। समझने की जरूरत है कि युद्ध का असर केवल महंगाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोजगार और उद्योगों पर भी पड़ता है। टेक्सटाइल, केमिकल, सीमेंट और टायर जैसे सेक्टर, जो बड़े पैमाने पर रोजगार देते हैं, उत्पादन लागत बढ़ने के कारण प्रभावित हो सकते हैं। जब उत्पादन महंगा होता है और मांग घटती है, तो कंपनियां लागत कम करने के लिए कर्मचारियों की संख्या घटा सकती हैं। इससे बेरोजगारी बढ़ने का खतरा भी पैदा होता है। आर्थिक रिपोर्टस के अनुसार, यदि यह युद्ध लंबा खिंचता है, तो भारत की जीडीपी ग्रोथ में 1 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। यह गिरावट केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं होगी, बल्कि इसका असर निवेश, रोजगार और सरकारी राजस्व पर भी पड़ेगा। महंगाई बढ़ने से लोगों की क्रय शक्ति घटती है, जिससे बाजार में मांग कम होती है और आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ जाती हैं। हालांकि सरकार ने स्थिति को संभालने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती इसका उदाहरण है। साथ ही, खुदरा महंगाई का लक्ष्य 4 प्रतिशत पर बनाए रखने का निर्णय भी आर्थिक स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी अगली मौद्रिक नीति 9 अप्रैल को घोषित करेगा। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की हर बैठक पर नजर होती है, लेकिन इस बार इस पर विशेष रूप से नजर होगी, क्योंकि महंगाई बढ़ रही है, क्योंकि पश्चिम एशिया में संघर्ष चल रहा है। भले ही एमपीसी व्याज दर में कोई बदलाव न करे, लेकिन उसकी घोषणा वित्तीय बाजारों में शांति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, खासतौर पर जब अनिश्चितता अधिक है। बाजार भी स्पष्ट दिशानिर्देशों के आने का इंतजार करेगा कि आखिर एमपीसी इस अनिश्चितता को कैसे देख रहा है और भविष्य की मौद्रिक नीति के लिए इसके क्या मायने हैं। महंगाई को लक्षित करने वाली अर्थव्यवस्थाओं जैसे कि भारत में मौद्रिक नीति का एक महत्त्वपूर्ण साधन संचार या सूचना होती है। वित्तीय बाजार एमपीसी के बयानों और आरबीआई गवर्नर को टिप्पणियों को भविष्य में ब्याज दरों के मार्गदर्शन के संकेत के रूप में देखते हैं। जब केंद्रीय बैंक की सूचना जटिल या अस्पष्ट होती है तब बाजार में अस्थिरता बढ़ सकती है। अगर देखा जाए तो यह भी सच है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां लगातार खराब होती रहीं, तो केवल घरेलू उपाय पर्याप्त नहीं होंगे। युद्ध के प्रभाव को समझने के लिए हमें यह समझना होगा कि आज की दुनिया एक जुड़ी हुई आर्थिक श्रृंखला है। एक देश में संकट का असर दूसरे देशों तक तेजी से पहुंचता है। जब सप्लाई चेन टूटती है, तो उत्पादन, वितरण और उपभोग तीनों प्रभावित होते हैं। यही कारण है कि पश्चिम एशिया का संघर्ष भारत में महंगाई के रूप में दिखाई दे रहा है। हालांकि वर्तमान स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण से बाहर नहीं है, लेकिन संकेत चिंताजनक हैं। विशेषज्ञ भले ही स्पष्ट रूप से महंगाई के बढ़ने की पुष्टि न करें, लेकिन बाजार की वास्तविकता कुछ और ही कहानी कह रही है। आम लोग पहले ही कीमतों में बढ़ोतरी महसूस कर रहे हैं। भविष्य के लिए सबसे बड़ा सवाल यही है कि यह युद्ध कब तक चलेगा। यदि यह जल्द समाप्त होता है, तो बाजार धीरे-धीरे स्थिर हो सकता है। लेकिन यदि संघर्ष लंबा खिंचता है, तो महंगाई, व्यापार और आर्थिक विकास तीनों पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ेगा। ऐसे समय में जरूरी है कि सरकार सतर्क रहे और समय-समय पर नीतिगत हस्तक्षेप करे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

द्रमुक का घोषणापत्र '2026 चुनाव का सुपरस्टार' है : सीएम स्टालिन

विरुधुनगर (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के चुनाव घोषणापत्र को ''2026 के चुनाव का सुपरस्टार'' बताते हुए कहा कि वादे तो कोई भी कर सकता है, लेकिन जनता भरोसा सिर्फ उनकी पार्टी के वादों पर करती है। यहां धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) की एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन ने कहा, ''छह से 60 वर्ष की आयु तक महिलाओं से लेकर पुरुषों तक, युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक- हर कोई द्रमुक के चुनावी घोषणापत्र को पसंद करता है। ऐसा कोई हो ही नहीं सकता जो इसे नापसंद करे।'' उन्होंने यहां एकत्रित लोगों से कहा, ''मैंने इसे 2026 के चुनाव के सुपरस्टार के रूप में पेश किया है।'' मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि किसी वादे की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे कौन करता है।

उन्होंने कहा, ''लोग केवल द्रमुक के वादे पर ही विश्वास करते हैं। बाकी लोग जो भी कहें, उसका कोई महत्व नहीं है।'' स्टालिन ने कई ''सुपरस्टार'' वादों का विस्तृत वर्णन किया, जिनमें सबसे उल्लेखनीय 'इल्लाथरासी' (गृहिणी) योजना है। उन्होंने इसे एक ''उत्कृष्ट घोषणा'' बताया, जिसमें महिलाओं को घरेलू उपकरण खरीदने के लिए 8,000 रुपये का कूपन दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''जहां तक मुझे पता है इस योजना से हमारे परिवार मुखियाओं के घरेलू काम का बोझ काफी कम हो जाएगा। यही इस योजना का मुख्य उद्देश्य है।'' उन्होंने यह भी कहा कि महिलाएं अपनी पसंद की किसी भी दुकान से वॉशिंग मशीन, फ्रिज से लेकर माइक्रो-ओवन तक खरीद सकती हैं।

मुख्यमंत्री ने 'मगलिर उरिमई थोगई' योजना के तहत मिलने वाली मासिक सहायता राशि को 1,000 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये करने का भी वादा किया। स्टालिन ने विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए आगामी चुनाव को ''तमिलनाडु टीम'' और ''दिल्ली टीम'' के बीच की लड़ाई बताया। उन्होंने अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि उनका पूरा चुनाव अभियान ''झूठ एवं निम्न स्तर की बातों'' पर आधारित है। मुख्यमंत्री ने पलानीस्वामी को ''झूठा'' और ''विश्वासघात का प्रतीक'' बताया। स्टालिन ने आरोप लगाया, ''अगर विश्वासघात को कोई नाम दिया जाए तो वह पलानीस्वामी है।'' उन्होंने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी ही पार्टी में जे. जयललिता से लेकर वी के शशिकला और ओ. पनीरसेल्वम तक सभी के साथ विश्वासघात किया है। मुख्यमंत्री ने पलानीस्वामी के इस आरोप का भी जवाब दिया कि द्रमुक ने सरकारी कर्मचारियों को ''धोखा'' दिया है।

उन्होंने कहा, ''अगर हमने उन्हें धोखा दिया होता, तो क्या सरकारी कर्मचारी संघ के पदाधिकारी फोर्ट में मुझसे मिलने आते, धन्यवाद देते और मुझे मिठाई खिलाते?'' उन्होंने आरोप लगाया कि पलानीस्वामी द्रमुक की कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से पैदा हुई ''असहनीय निराशा'' के कारण ऐसे बयान दे रहे हैं। स्टालिन ने चेतावनी दी कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का मुख्य उद्देश्य ''तमिलनाडु के विकास को रोकना'' है। उन्होंने मतदाताओं से विरुधुनगर, शिवकाशी और अरुप्पुकोट्टई विधानसभा क्षेत्रों में एसपीए उम्मीदवारों का समर्थन करने की अपील की, ताकि ''द्रविड़ मॉडल'' की शासन व्यवस्था जारी रह सके। उन्होंने वादा किया, ''हम 'द्रविड़ मॉडल 2.0 शासन में अपने ही रिकॉर्ड तोड़ते हुए सरकार चलाएंगे।'' तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को होगा।

ध्यान आंतरिक परिवर्तन की शुरुआत, बेहतर सोच से बेहतर बनेगी दुनिया: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि ध्यान (मेडिटेशन) आंतरिक परिवर्तन की शुरुआत है और सकारात्मक सोच के माध्यम से ही एक बेहतर दुनिया का निर्माण किया जा सकता है। ध्यान व्यक्ति को मानसिक शांति, स्पष्टता और सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करता है। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में रविवार को आयोजित 'ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑफ मेडिटेशन लीडर्स-मेडिटेशन फॉर होलिस्टिक लिविंग एंड ए पीसफुल वर्ल्ड' को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने ये बातें कही। पिरामिड स्पिरिचुअल सोसाइटीज मूवमेंट और बुद्धा-सीईओ क्वांटम फाउंडेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ध्यान मनुष्य के भीतर एक दीपक जलाने जैसा है, जो अज्ञानता को समाप्त कर व्यक्ति को सत्य और शांति के मार्ग पर ले जाता है। उन्होंने तमिल संत तिरुमूलर की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि मानव शरीर एक मंदिर के समान है और ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर स्थित दिव्यता को पहचान सकता है। उन्होंने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज दुनिया कई प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रही है। संघर्ष केवल बाहरी नहीं बल्कि व्यक्ति के भीतर भी चलता रहता है। ऐसे समय में ध्यान शांति और संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह तनाव को कम करता है, एकाग्रता को बढ़ाता है और भावनात्मक संतुलन को मजबूत बनाता है। उपराष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि ध्यान केवल आध्यात्मिक साधकों के लिए ही नहीं, बल्कि हर व्यक्ति के लिए उपयोगी है। यह सामान्य व्यक्ति को भी उच्च चेतना की ओर ले जाने में सहायक है। उन्होंने कहा कि भौतिक सफलता की अंधाधुंध दौड़ में जीवन के मूल्यों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और ध्यान इस संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है। 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश के आर्थिक विकास के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता देना आवश्यक है। इस दिशा में ध्यान एक प्रभावी माध्यम साबित हो सकता है। युवाओं को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ध्यान नशा मुक्ति का एक सशक्त साधन बन सकता है। यह तनाव, चिंता और दिशाहीनता को दूर कर युवाओं को सही मार्ग पर ले जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि बिना मूल्यांकन के अवलोकन करना ही उच्चतम बुद्धिमत्ता है और ध्यान व्यक्ति को यह क्षमता प्रदान करता है। कार्यक्रम में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के पूर्व महानिदेशक डीआर कार्तिकेयन, परमार्थ निकेतन आश्रम ऋषिकेश के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती, क्वांटम लाइफ यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष डॉ. न्यूटन कोंडावेटी, बुद्धा-सीईओ क्वांटम फाउंडेशन के संस्थापक चंद्र पुलामारसेट्टी और पिरामिड स्पिरिचुअल ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय भास्कर रेड्डी सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ का असर, बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट

जयपुर। राजस्थान में पिछले 24 घंटों के दौरान पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हुई और तेज हवाएं चलीं। मौसम विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी। विभाग ने छह से आठ अप्रैल तक आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर वर्षा हुई, जबकि पूर्वी हिस्सों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश की गतिविधि दर्ज की गई। धौलपुर जिले के बाड़ी कस्बे में राज्य में सबसे अधिक 40 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। लूनकरनसर में न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री और फतेहपुर में 12.9 डिग्री दर्ज किया गया। जयपुर स्थित मौसम केंद्र ने बताया कि पांच अप्रैल को जयपुर और भरतपुर संभागों में कहीं-कहीं हल्की बारिश और गरज-चमक की संभावना है, जबकि अधिकतर अन्य हिस्सों में मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है। छह अप्रैल से एक नया और प्रबल पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है, जिससे जोधपुर, बीकानेर, अजमेर संभाग और शेखावाटी क्षेत्र में तेज हवाएं (40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा), बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि हो सकती है। सात अप्रैल को इसका प्रभाव चरम पर होगा, जब जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर और कोटा संभागों में तीव्र आंधी-तूफान की गतिविधि, तेज हवाएं (50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा) चलने, मध्यम से भारी बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि की संभावना है। आठ अप्रैल को उत्तरी और पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, जबकि अधिकतर अन्य क्षेत्रों में मौसम शुष्क रहेगा।

मुख्यमंत्री के खिलाफ होगी कानूनी कार्रवाई, एक दिन जनता से मांगेंगे माफी : राहुल गांधी

बिश्वनाथ (असम)। लोकसभा सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को असम के बिश्वनाथ में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और एक दिन ऐसा आएगा जब उन्हें असम की जनता के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगनी पड़ेगी।

अपने भाषण की शुरुआत में राहुल गांधी ने असम की सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भूमि श्रीमंत शंकरदेव, अजान फकीर, जुबीन गर्ग और तरुण गोगोई की है। उन्होंने कहा कि जुबीन गर्ग ने हमेशा समाज को जोड़ने का काम किया और कभी किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि असम को एटीएम की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। राज्य की जमीन उद्योगपतियों जैसे गौतम अडानी और बाबा रामदेव को दी जा रही है, जबकि यह जमीन असम के लोगों और किसानों की है।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जब चाहें प्रधानमंत्री मोदी का राजनीतिक करियर खत्म कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने नरेन्द्र मोदी और अमित शाह पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए। राहुल गांधी ने भाजपा पर छह समुदायों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने के वादे को पूरा न करने का भी आरोप लगाया। कहा कि कांग्रेस सत्ता में आने पर इस वादे को पूरा करेगी। सभा में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने स्वागत भाषण दिया। राहुल गांधी ने महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता, छोटे व्यवसायों के लिए 50 हजार रुपये की एकमुश्त मदद, 10 लाख परिवारों की जमीन का नियमितीकरण और 25 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा देने का वादा किया। अंत में उन्होंने मतदाताओं से कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन का समर्थन करने की अपील करते हुए कहा कि उनकी सोच असम की सांस्कृतिक विरासत और एकता को मजबूत करने की है।

बिहार की राजग सरकार विकास के सभी मानकों पर सबसे नीचे है : तेजस्वी यादव

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताया है। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक पोस्ट के जरिए सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। तेजस्वी यादव ने कहा कि बीते 21 वर्षों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार के दौरान बिहार विकास के लगभग सभी प्रमुख संकेतकों में देश में सबसे नीचे बना हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य साक्षरता दर, प्रति व्यक्ति आय, किसानों की आय, निवेश, उपभोग और बिजली खपत जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पिछड़ा हुआ है।

तेजस्वी ने कहा कि दूसरी ओर अपराध, गरीबी, बेरोजगारी, पलायन और भ्रष्टाचार जैसे मामलों में बिहार शीर्ष स्थान पर बना हुआ है, जो सरकार की नीतिगत विफलता को दर्शाता है। तेजस्वी यादव ने शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र की स्थिति को भी गंभीर बताते हुए कहा कि राज्य में स्कूल ड्रॉपआउट रेट अधिक है और पुपिल-टीचर अनुपात असंतुलित है। इसके साथ ही उन्होंने कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने दावा किया कि राज्य में डॉक्टरों के लगभग 58 प्रतिशत पद खाली हैं, जिससे आम जनता को पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं।

तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि वह अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए चुनाव के दौरान झूठे वादे करती है और सरकारी तंत्र का दुरुपयोग करती है। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दोनों उपमुख्यमंत्रियों को खुली चुनौती देते हुए कहा कि वे बिहार के विकास के मुद्दे पर कहीं भी सार्वजनिक बहस के लिए तैयार हैं।

राष्ट्रीय समुद्री दिवस पर अमित शाह ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय समुद्री दिवस के अवसर पर देश के समुद्री क्षेत्र से जुड़े सभी कर्मियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि इन कर्मियों की पेशेवर क्षमता, साहस और समर्पण ने भारत की प्रगति को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने संदेश में अमित शाह ने समुद्री कर्मियों के अदम्य साहस की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने हर परिस्थिति, चाहे शांतिकाल हो या संकट का समय राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। उन्होंने कहा कि पूरा देश उनके सेवा भाव और समर्पण को नमन करता है। अमित शाह ने अपने संदेश में यह भी रेखांकित किया कि भारत के समुद्री क्षेत्र की मजबूती देश की आर्थिक प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यापार में भारत की बढ़ती भागीदारी में समुद्री मार्गों की अहम भूमिका है, जो देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करते हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय समुद्री दिवस हर वर्ष 5 अप्रैल को मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1919 में भारतीय जहाज 'एसएस लॉयल्टी' ने मुंबई से लंदन की ऐतिहासिक यात्रा शुरू की थी, जिसे भारत के समुद्री व्यापार की शुरुआत माना जाता है। आज भारत का लगभग 90 प्रतिशत विदेशी व्यापार (मात्रा के आधार पर) और 70 प्रतिशत (मूल्य के आधार पर) समुद्री मार्गों के जरिए होता है। देश के पास 7,500 किलोमीटर से अधिक लंबी तटीय रेखा, 12 प्रमुख बंदरगाह और 200 से अधिक छोटे एवं मध्यम बंदरगाह हैं।

गोवा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईस्टर, गिरजाघरों में उमड़े श्रद्धालु

पणजी। गोवा में रविवार को ईस्टर का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रभु ईसा मसीह के पुनर्जीवित होने की स्मृति में आयोजित विशेष प्रार्थना सभाओं में शामिल होने के लिए राज्य भर के गिरजाघरों में हजारों की संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए। ओल्ड गोवा के ऐतिहासिक कैथेड्रल से लेकर सालसेट और बारदेज़ के छोटे प्रार्थना केंद्रों तक हजारों श्रद्धालुओं ने मध्यरात्रि और सुबह की प्रार्थना सभाओं में भाग लिया, और इस दौरान 'पास्कल कैंडल' जलाई गई जो 40 दिन की 'लेंट' अवधि समाप्त होने का प्रतीक है। लेंट ईसाई धर्म में ईसा मसीह के 40 दिन के उपवास और प्रार्थना की स्मृति में मनाई जाने वाली धार्मिक अवधि है। इस अवसर पर राज्यपाल पी अशोक गजपति राजू और मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने गोवा के लोगों को शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि ईस्टर आशा, नवीनीकरण और प्रतिकूल परिस्थितियों पर जीवन की विजय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह त्योहार प्रभु ईसा मसीह के पुनर्जीवित होने की स्मृति में मनाया जाता है।

केरल चुनाव: त्रिशूर में अवैध तरीके से घरेलू सामान की किट वितरित करने के आरोप में मामला दर्ज

त्रिशूर। त्रिशूर पुलिस ने शहर के कुछ हिस्सों में चार अप्रैल को अवैध तरीके से घरेलू सामान की किट वितरित करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। निर्वाचन आयोग ने रविवार को यह जानकारी दी।

आयोग के एक बयान में कहा कि ओलारी पार्थसारथी मंदिर और कार्तिका सुपर मार्केट के पास घरेलू सामान की किट के अनधिकृत वितरण को रोकने के बाद चुनावी नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई करने वाले दस्ते ने मामला दर्ज किया। यह मामला केरल में नौ अप्रैल के लिए निर्धारित विधानसभा चुनावों से कुछ ही दिन पहले सामने आया है। कार्यकारी मजिस्ट्रेट डॉ. बिंदू टी एन की देखरेख में काम कर रही प्रवर्तन टीम ने पाया कि लगभग 900 रुपये मूल्य की 26 किट वितरित की जा रही थी, जिनमें विभिन्न प्रकार के घरेलू सामान थे।

बयान में कहा गया है, ''मौके पर गई जांच से पता चला कि वितरण राधाकृष्णन नामक व्यक्ति के कहने पर किया गया था, और यह भी पता चला कि अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही 75 किट वितरित की जा चुकी थी।'' निर्वाचन आयोग ने कहा कि ऐसा करना भारतीय न्याय संहिता की धारा 170(1)(i)(चुनाव के दौरान रिश्वतखोरी) और 173 (रिश्वतखोरी के लिए सजा) तथा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123(ए)(1)(भ्रष्ट आचरण) के तहत अपराध है। बयान में कहा गया कि चूंकि ये अपराध असंज्ञेय श्रेणी में आते हैं, इसलिए औपचारिक कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाने से पहले संबंधित क्षेत्राधिकार के मजिस्ट्रेट से आवश्यक पूर्व अनुमति प्राप्त कर ली गई।

बंगाल में सीएम चेहरा घोषित नहीं करेगी भाजपा, मोदी के नाम पर वोट मांगेगी : समिक भट्टाचार्य

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर जारी अटकलों के बीच भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी ने इस मुद्दे पर कोई फैसला नहीं लिया है और वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा उनके ''विकास के एजेंडे'' के नाम पर वोट मांगेगी। भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा के लिए यह मायने नहीं रखता कि कोई नेता नया है या पुराना ''जो भी व्यक्ति जनता को तृणमूल कांग्रेस के कथित कुशासन के खिलाफ लड़ने वाला दिखेगा, वही जीत के बाद पार्टी का चेहरा बन सकता है।'' उन्होंने विधानसभा चुनाव को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस की ''तुष्टीकरण की राजनीति'' के खिलाफ सीधी लड़ाई बताया। भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी किसी को भी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश नहीं करेगी, बल्कि मोदी और उनके ''विकास के एजेंडे'' के नाम पर वोट मांगेगी तथा अगर सत्ता में आती है तो घुसपैठियों का ''पता लगाने, उन्हें हिरासत में लेने और निर्वासित करने'' की नीति अपनाएगी।

भट्टाचार्य ने 'भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि भाजपा किसी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं करती, जैसा कि दिल्ली, हरियाणा और ओडिशा में भी नहीं किया गया था, फिर भी पार्टी ने जीत हासिल की। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटों से उतारने को मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने से जोड़े जाने पर स्पष्ट जवाब देने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व को लेकर अंतिम निर्णय पार्टी का संसदीय बोर्ड और केंद्रीय नेतृत्व करेगा। हालांकि, उन्होंने यह संकेत भी दिया कि भविष्य में शीर्ष नेतृत्व चाहे तो इस पर अलग निर्णय ले सकता है। उन्होंने कहा, ''हम 'विकास पुरुष' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आगे रखकर चुनाव लड़ते हैं, जो विकास के प्रतीक हैं - जिन पर कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के लोग भरोसा करते हैं।'' भट्टाचार्य ने भरोसा जताया कि भाजपा चुनाव में ''स्पष्ट बहुमत'' हासिल करेगी, हालांकि उन्होंने आंकड़ा बताने या दो-तिहाई बहुमत मिलने पर टिप्पणी करने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि भवानीपुर से अधिकारी को उतारना ममता बनर्जी को उनके गढ़ में सीधी चुनौती देना है। उन्होंने 2021 के नंदीग्राम चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा तृणमूल के उस दावे को परखना चाहती है कि बनर्जी की हार ''लोड शेडिंग'' (तकनीकी गड़बड़ी) के कारण हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले पांच वर्षों में नेता प्रतिपक्ष को विधानसभा से 11 महीने तक निलंबित रखा गया और उनके परिवार पर हमले हुए। भाजपा के सत्ता में आने पर प्राथमिकताओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सबसे पहले राज्य में कानून-व्यवस्था स्थापित की जाएगी, चुनाव बाद हिंसा रोकी जाएगी और निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाया जाएगा।

लोकसभा, विधानसभाओं की सीट बढ़ाने का प्रयास 'जनता का ध्यान भटकाने का हथियार' मात्र है: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को लोकसभा सीट की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि वह इस कदम को जबरदस्ती थोप रहे हैं जिससे बड़े और अधिक आबादी वाले राज्यों को अधिक लाभ होगा और यह ''जनता का ध्यान भटकाने का हथियार'' मात्र है। विपक्षी दल ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री देश की जनता को ''गुमराह'' कर रहे हैं और भ्रामक बयान दे रहे हैं जिनका उद्देश्य धोखा देना है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा, ''प्रधानमंत्री हमेशा की तरह भ्रामक बयान देकर धोखा देने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि अगर लोकसभा की सीट की संख्या 50 प्रतिशत बढ़ा दी जाए और प्रत्येक राज्य की सीट की संख्या भी 50 प्रतिशत बढ़ा दी जाए तो दक्षिण भारतीय राज्यों को कोई नुकसान नहीं होगा।'' रमेश ने कहा, ''यह देश की जनता को धोखा देने का प्रयास है, जिसमें प्रधानमंत्री को अद्वितीय विशेषज्ञता प्राप्त है।'' उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए लोकसभा में उत्तर प्रदेश और केरल की सीट के बीच का अंतर वर्तमान में 60 है और मोदी के प्रस्ताव से यह अंतर बढ़कर 90 हो जाएगा। रमेश ने कहा कि इसी तरह, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु के बीच का अंतर 41 से बढ़कर कम से कम 61 हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे और उदाहरणों को जोड़ा जा सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''मोदी एक ऐसे प्रस्ताव को जबरदस्ती थोप रहे हैं जिससे बड़े और अधिक आबादी वाले राज्यों को अधिक लाभ होगा।'' उन्होंने तर्क दिया कि केवल दक्षिण भारत ही नहीं, बल्कि पंजाब और हरियाणा जैसे राज्य और पूर्वोत्तर के राज्यों का भी सापेक्षिक प्रभाव कम हो जाएगा। रमेश ने कहा, ''देश गंभीर आर्थिक और विदेश नीति संकट का सामना कर रहा है। प्रधानमंत्री को सिर्फ लोकसभा और विधानसभाओं की संख्या बढ़ाने की चिंता है, वो भी बिना किसी सार्थक परामर्श और व्यापक जन बहस के। यह जनता का ध्यान भटकाने का एक हथियार मात्र है।'' उनकी यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि संसद का बजट सत्र तीन दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है ताकि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के लिए 2023 में पारित कानून को 2029 से लागू किया जा सके। बृहस्पतिवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने राज्यसभा में कहा था कि सदन जल्द एक महत्वपूर्ण विधेयक पर विचार करने के लिए फिर से बैठक करेगा। उन्होंने कहा, ''हमारे पास कुछ विधेयक और महत्वपूर्ण मुद्दे हैं और हमने इन्हें विपक्ष के साथ भी साझा किया है। अगले दो-तीन हफ्तों में हम एक बहुत ही महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रहे हैं।'' बाद में यह पता चला कि संसद का बजट सत्र 16 अप्रैल को कुछ समय के अवकाश के बाद फिर से शुरू होगा ताकि लोकसभा सीट की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने वाले विधेयकों को पारित किया जा सके और महिला आरक्षण कानून को जल्द से जल्द लागू किया जा सके। केरल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि 16 से 18 अप्रैल को होने वाले संसद सत्र के दौरान सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गोवा या तेलंगाना किसी भी राज्य में लोकसभा सीट में कमी नहीं हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग सरकार ने 2023 में एक कानून के माध्यम से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है।

संक्षिप्त खबरें

अनियंत्रित कार पुल से टकराई, तीन युवकों की मौत

बलरामपुर। जिले में बढ़नी राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार तड़के अनियंत्रित कार के पुल से टकरा जाने से तीन युवकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कार सवार लोग देवीपाटन मेले से लौट रहे थे, तभी ये हादसा हुआ। पुलिस के मुताबिक, पचपेड़वा कस्बे के निवासी आदिल अपने मित्रों के साथ शनिवार की रात में तुलसीपुर के देवीपाटन मेला देखने गए थे। उसने बताया कि आज सुबह लौटते समय तुलसीपुर-पचपेड़वा-बढ़नी राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुरुषोत्तम गांव के नजदीक कार अनियंत्रित होकर पुल से टकरा गई। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में आदिल (21) और अफरोज (20) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गम्भीर रूप से घायल हाशमी, गोलू एवं एक अन्य को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत नाजुक देखते हुए हाशमी (21) को बहराइच के लिए रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। तुलसीपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) जितेंद्र कुमार ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और विधिक कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि दो घायलों का उपचार जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय विधायक राकेश यादव ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात की एवं हर संभव सहायता दिलाने का भरोसा दिया। विधायक ने सरकार से मांग की कि मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रूपये आर्थिक सहायता दी जाए।

बुजुर्ग की पीट पीटकर हत्या, गांव में पुलिस बल तैनात

बलरामपुर। श्रीदतगंज थाना क्षेत्र में मामूली विवाद में एक बुजुर्ग की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस विवाद में कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी राघवेंद्र प्रताप सिंह ने रविवार को बताया कि पिपरा याकूब गांव के बभनी मजरे में शनिवार को जुबेर नामक युवक खेत की सिंचाई के बाद पड़ोसी दुल्ले को पाइप वापस करने गया था, जहां पर पाइप कम होने की बात को लेकर कहासुनी होने लगी। उन्होंने कहा कि विवाद इतना बढ़ गया कि क्रिकेट खेल रहे कुछ युवक वहां पहुंच गए और जुबेर को पीटने लगे। शोर सुनकर बचाने के लिए पहुंचे जुबेर के पिता निजामुद्दीन (71) पर युवकों ने लाठी डंडे एवं बैट से हमला कर दिया। हमले में निजामुद्दीन गम्भीर रूप से घायल हो गया जिससे उनकी मौत हो गई। सीओ ने बताया कि बचाने के लिए दौड़ी जुबेर की बहन सहित दो लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट मिलने के बाद विधिक कार्यवाही की जाएगी। सीओ ने बताया कि गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

कई घरों में आग लगी, दो महिलाओं की मौत

सीतापुर। जिले के सदरपुर थाना क्षेत्र में तेज आंधी के बीच एक घर में खाना बनाते समय अचानक आग लग जाने से करीब 12 घर आग की चपेट में आ गए। इस घटना में दो महिलाओं की मौत हो गई और एक बच्ची झुलस गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। सीतापुर के जिलाधिकारी (डीएम) राजागणपति आर ने बताया कि सदरपुर पुलिस थाना क्षेत्र के सरैया चलाकापुर गांव निवासी संजय के घर की छत पर खाना बनाते समय अचानक आग लग गई। आंधी-तूफान के बीच छत से आग आसपास के घरों में फैल गई और वे भी आग की चपेट में आ गए। परिणामस्वरूप आस पास स्थित 12 घरों की छतें और झोपड़ियां प्रभावित हुईं। डीएम ने बताया कि मृतकों की पहचान फूलमती (45) और इदुरा (65) के रूप में हुई है, जबकि सात वर्षीय बच्ची झुलस गई है। उसका इलाज बिसवां के एक चिकित्सालय में हो रहा है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और आग पर मौके पर ही काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ है। पुलिस के अनुसार मामले में अग्निम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से दो युवकों की मौत

देवरिया। जिले के सलेमपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार हादसा शनिवार देर रात हुआ जब जिले के लार थाना क्षेत्र के सकरापार गांव निवासी राहुल कुमार (28) अपने मित्र सचिन कुमार यादव (23) के साथ शादी के कार्ड बांटकर लौट रहा था। उसने बताया कि मझौलीराज के जिरासो बंधा के पास पहुंचते ही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक मोटरसाइकिल से गिरकर काफी दूर तक घसीटते चले गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को सलेमपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने सचिन को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि राहुल की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां उपचार के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। सलेमपुर थाना प्रभारी दिनेश कुमार मिश्रा ने बताया कि राहुल की इसी माह 20 अप्रैल को शादी तय थी और वह निमंत्रण पत्र बांटने निकला था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक में मारी टक्कर युवक की मौत

उरई। जालौन जिले में रविवार को एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। कोतवाल आनंद सिंह ने बताया कि ग्राम धनतौली में रहने वाला विभांशु पटेल (24) नया पाठक पूरा इलाके में रहकर कोचिंग की पढ़ाई कर रहा था। परिजनों से पता चला है कि रविवार को विभांशु बाइक से कही जा रहा था, तभी रामश्री स्कूल के पास पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर के बाद विभांशु बाइक समेत सड़क पर जा गिरा, इस दौरान तेज गति से आ रहे एक स्विफ्ट कार उसे कुचलते हुए निकल गई। दोनो वाहनों की चपेट में आने से विभांशु की मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मुख्यमंत्री योगी ने भारतेन्दु नाट्य अकादमी के स्वर्ण जयंती समारोह का शुभारम्भ किया

रामायण महाभारत सांस्कृतिक प्रवाह का हिस्सा : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतेन्दु नाट्य अकादमी की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भारतेंदु नाट्य अकादमी के संपूर्ण भवन व दो प्रेक्षागृहों के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने कलाविदों व पूर्व छात्रों का सम्मान किया और रंगमंच पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय रचित उपन्यास आनंदमठ की नाट्य प्रस्तुति भी देखी। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रंगमंच समाज का दर्पण होता है। वह समाज की दिशा तय करती है। रंग मंच वही जहां भावनाएं शब्द बनती हैं और वह शब्द अभिनय बनते हैं। यही अभिनय जनचेतना बनकर समाज को दिशा देते हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रामायण महाभारत हमारी सांस्कृतिक प्रवाह का हिस्सा है हर भारतीय परिवार इसे जीवन का हिस्सा बनाता था। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने नाटकों के माध्यम से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ाने का काम किया। भाषा के लिए काम किया। सच बोलने और करने का साहस नाटकों के माध्यम से किया। भारत की सनातन संस्कृति को बचाने के लिए, मातृभाषा के लिए हिन्दी के लिए, खड़ी बोली के लिए उनका योगदान अतुलनीय है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वोटबैंक पर असर न पड़े इसके लिए महाराजा सूहेलदेव,महाराजा बिजली पासी व रानी लक्ष्मीबाई का नाम नहीं लेते थे। हम अपने नायकों को सम्मान देने से परहेज करते रहे। यही कारण रहा कि पहले हमारे संस्थानों पर माफियाओं को हीरो के रूप में दिखाया जाता था। पहले की सरकार कमजोर थी। सालार मसूद एक माफिया था। महाराजा सुहेलदेव ने विदेशी आक्रांता को मारा" एक हजार साल बाद हम महाराजा सुहेलदेव का भव्य स्मारक बना सके। संस्कृति पर प्रहार बर्दाश्त नहीं।

> सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रामायण महाभारत हमारी सांस्कृतिक प्रवाह का हिस्सा है हर भारतीय परिवार इसे जीवन का हिस्सा बनाता था। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने नाटकों के माध्यम से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ाने का काम किया। भाषा के लिए काम किया। सच बोलने और करने का साहस नाटकों के माध्यम से किया। भारत की सनातन संस्कृति को बचाने के लिए, मातृभाषा के लिए हिन्दी के लिए, खड़ी बोली के लिए उनका योगदान अतुलनीय है।

खलनायकों ने जिन्होंने भारत की संस्कृति को रौंदने का काम किया उन्हें सम्मान नहीं मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गायन, वादन, नृत्य के लिए उत्तर प्रदेश बहुत समृद्ध रहा है। लोककला को आगे बढ़ाने का काम होना चाहिए। महाराजा सूहेलदेव, महाराजा बिजली पासी, महारानी लक्ष्मीबाई के बारे में नायकों व वीरांगनाओं के बारे में लघु नाटक बनाएं। स्कूलों में बच्चों के सामने राष्ट्रभक्ति से जुड़े नाटक का मंचन करायें। इसके लिए संस्कृति विभाग आगे आये। इसके पहले भारतेंदु नाट्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. रतिशंकर त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री का अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया।

इस अवसर पर संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, भातखण्डे विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह,भाजपा के राज्यसभा सदस्य डा.दिनेश शर्मा, विधायक योगेश शुक्ला प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पारिवारिक कलह के चलते व्यक्ति ने कुल्हाड़ी से की पत्नी की हत्या

झांसी। जिले के चिरगांव थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक व्यक्ति ने पारिवारिक कलह के चलते अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से हमला पर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी थाना प्रभारी राहुल राठौर ने बताया कि क्षेत्र के ग्राम आतेपई निवासी नेपाल सिंह का आज दोपहर करीब तीन बजे अपनी पत्नी शीलावती (50) से कुछ घरेलू विवाद हो गया था। इसी दौरान किसी बात पर उत्तेजित होकर उसने कुल्हाड़ी से प्रहार कर अपनी पत्नी की हत्या कर दी है और फरार हो गया। उन्होंने बताया कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

राठौर ने बताया कि मृतका के पुत्र सौरभ की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर नेपाल सिंह की तलाश की जा रही है। परिजनों के अनुसार नशे की आदत को लेकर नेपाल सिंह का अपनी पत्नी से आए दिन झगड़ा होता था। फिलहाल पुलिस के अनुसार हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है और मामले की जांच की जा रही है।

मुठभेड़ में दो असलहा तस्कर गिरफ्तार

जौनपुर। सरायख्वाजा और बक्सा थाना पुलिस टीम ने शनिवार देर रात मुठभेड़ के बाद दो असलहा तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों अभियुक्त घायल है, जबकि उनके तीन अन्य साथी फरार है। अपर पुलिस अधीक्षक आतिश कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक सरायख्वाजा व थानाध्यक्ष बक्सा अपनी टीम के साथ छबिलेपुर-छुन्छा मार्ग पर पुलिया के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार बदमाशों को रोकने का प्रयास किया गया, तो उन लोगों ने पुलिस पर जानलेवा हमला किया। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें खानपुर निवासी गुडलक तिवारी के दाए पैर और आहोपुर निवासी शशांक सिंह के बाए पैर में गोली लगी है। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उनके तीन अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने अभियुक्तों के पास से दो तमंचे, कारतूस बाइक एवं मौके से एक लाख 25 हजार रुपये नगद बरामद हुआ। दोनों आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है, जबकि फरार अभियुक्तों की तलाश जारी है।

एलपीजी की कालाबाजारी का बड़ा खुलासा, 1295 सिलेंडरों की हेराफेरी मामले में गैस एजेंसी संचालक के खिलाफ केस दर्ज

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद में एलपीजी गैस की कालाबाजारी के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार शाम सप्लाई विभाग की चार सदस्यीय टीम ने अमेठी कस्बे के दुर्गापुर रोड स्थित केवलापुर गांव में संचालित प्रकाश गैस एजेंसी के गोदाम पर छापेमारी की। जांच में भारी अनियमितताएं सामने आने के बाद प्रशासन ने एजेंसी संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

जिलाधिकारी संजय चौहान के अनुमोदन के बाद एजेंसी मालिक मनदीप सिंह के खिलाफ पेट्रोलियम गैस आदेश 2000 के उल्लंघन तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत कार्रवाई की गई है। साथ ही गोदाम में मौजूद सभी सिलेंडरों को तत्काल प्रभाव से राजाराम गैस एजेंसी, बारहमासी में स्थानांतरित कर दिया गया है। पूरे मामले की सूचना इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को भेज दी गई है, जहां से आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की टीम में शामिल पूर्ति निरीक्षक अरुण कुमार पांडेय ने रविवार को बताया कि संपूर्ण समाधान दिवस में गैस एजेंसी के खिलाफ शिकायत मिली थी। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पूर्ति लिपिक अनिल कुमार के साथ संयुक्त रूप से एजेंसी के गोदाम पर छापेमारी की गई। जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। गोदाम में 14.2 किलोग्राम के 556 भरे घरेलू सिलेंडर गायब मिले, जबकि 432 खाली सिलेंडर अधिक मिले। इसके अलावा 17 दोषपूर्ण सिलेंडर भी मौके से नहीं मिले। 10 किलोग्राम के कंपोजिट सिलेंडरों में भी गड़बड़ी पाई गई, जहां 10 खाली सिलेंडर अधिक और 9 भरे सिलेंडर कम पाए गए। इसी तरह 19 किलोग्राम के कमर्शियल 30 भरे सिलेंडर गायब थे, जबकि 212 खाली सिलेंडर का भी कोई हिसाब नहीं मिला। सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि विभागीय पोर्टल पर दर्ज 5 किलोग्राम के 29 भरे सिलेंडरों में एक भी सिलेंडर गोदाम में नहीं मिले।

पूर्ति निरीक्षक ने बताया कि इस तरह से गैस एजेंसी में कुल 1295 सिलेंडरों की हेराफेरी सामने आने के बाद सप्लाई विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए एजेंसी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं प्रशासन की इस कार्रवाई से जिले में अन्य गैस एजेंसियों में भी जांच का डर देखा जा रहा है।

आप का 'रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो' मार्च हाथरस पहुंचा; संजय सिंह ने सरकार पर हमला बोला

हाथरस। आम आदमी पार्टी (आप) के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के नेतृत्व में आगरा से मथुरा तक निकाली जा रही 'रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा रविवार को हाथरस पहुंची। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि देश में रोजगार, शिक्षा और सामाजिक न्याय जैसे मूल मुद्दों से ध्यान हटाकर जाति और धर्म के नाम पर नफरत फैलाई जा रही है।

सिंह ने कहा कि "इस पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य बेरोजगारी के मुद्दे को उठाना और जाति धर्म के नाम पर फैलाई जा रही नफरत को दूर करना है।" उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बेरोजगार युवाओं की लंबी कतार खड़ी हो चुकी है। प्रदेश का नौजवान मेहनत करके इलाहाबाद विश्वविद्यालय, लखनऊ विश्वविद्यालय, अलीगढ़ विश्वविद्यालय और आगरा विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों से पढ़ाई पूरी करता है, लेकिन जब वह नौकरी की मांग करता है तो उसे लाठी और मुकदमों का सामना करना पड़ता है। आप सांसद ने कहा कि "प्रदेश में आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और शिक्षामित्र भी सेवा नियमित करने की मांग को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे हैं।

इसके अलावा किसान बेरोजगारी और आर्थिक तंगी की मार झेल रहा है, वहीं रेहड़ी-पटरी वाले लोगों की दुकानों को उजाड़ दिया जाता है।" उन्होंने कहा कि बेरोजगारी आज प्रदेश का सबसे बड़ा मुद्दा बन चुका है। इसी को ध्यान में रखते हुए आम आदमी पार्टी 'रोजगार दो, वरना हर महीने 10 हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता दो' का नारा दे रही है। उन्होंने कहा कि जाति और धर्म के नाम पर होने वाला भेदभाव बंद होना चाहिए।

राम भक्तों पर गोली चलवाने वालों को जनता कभी माफ नहीं करेगी : केशव प्रसाद मौर्य

गाजियाबाद। सपा सरकार में सबसे ज्यादा उत्पीड़न पिछड़े और दलितों का ही हुआ है। महर्षि कश्यप जयंती पर गाजियाबाद के रामलीला मैदान में पहुंचे यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को सपा और अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दंगे होते थे। अब प्रदेश को दंगा मुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कुछ दुष्प्रचार से प्रभावित होकर सपा और कांग्रेस को ज्यादा वोट मिले तो उन्होंने आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करना शुरू किया।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी नौटंकी करती रहती है, हाल ही में अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर अयोध्या में स्थापित रामलला की मूर्ति जैसी मूर्ति की फोटो शेयर की, जिसे सैफई में लगाने की बात कही गई। लेकिन मैं अखिलेश यादव को कहना चाहता हूं कि सैफई में रामलला की मूर्ति लगाने से अयोध्या में रामभक्तों पर गोली चलाने वालों को माफी नहीं मिलेगी। रामभक्त कभी भी उनको माफ नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा चुनाव हुए चार राज्यों में एनडीए की सरकार बनी है। अभी जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, वहां पर भी भाजपा की सरकार बनने जा रही है। 2027 में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे, उसमें मेरी जनता से अपील है और विश्वास है कि जो 2017 में हुआ है वह 2027 में होगा और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को प्रदेश के मतदाता सैफई पहुंचाने का कार्य करेंगे। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल पर भी जमकर निशाना साधा। कार्यक्रम में प्रदेश के राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कश्यप और निषाद समाज को अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग की।

इजराइल में उत्तर प्रदेश के छह हजार से अधिक श्रमिक पूरी तरह सुरक्षित : सरकार

लखनऊ। इजराइल में जारी तनावपूर्ण हालात के बीच उत्तर प्रदेश के छह हजार से अधिक श्रमिक वहां पूरी तरह सुरक्षित हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, श्रम एवं सेवायोजन विभाग की प्रमुख सचिव डॉ. शन्मुगा सुंदरम इजराइल स्थित भारतीय दूतावास में राजदूत जे.पी. सिंह के साथ लगातार संपर्क में हैं और वहां मौजूद भारतीय, विशेषकर उत्तर प्रदेश के श्रमिकों की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। दूतावास से प्राप्त जानकारी का हवाला देते हुए सुंदरम ने बताया कि इजराइल में कार्यरत सभी भारतीय श्रमिक सुरक्षित हैं और फिलहाल किसी भी तरह की आपात स्थिति या बड़े खतरे की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि मौजूदा परिस्थितियों में स्वाभाविक रूप से कुछ चिंता का माहौल है, लेकिन किसी भी श्रमिक की ओर से भारत लौटने का कोई विशेष दबाव या मांग नहीं आई है। बयान के मुताबिक, राजदूत ने यह भी जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश के कुछ श्रमिकों ने हाल ही में भारत से गए पत्रकारों का आतिथ्य भी किया, जो इस बात का संकेत है कि स्थिति नियंत्रण में है और श्रमिक सामान्य जीवन जी रहे हैं।

पति से तलाक मिलते ही सेवानिवृत्त न्यायाधीश ने अपनी बेटी का ढोल-नगाड़ों से स्वागत किया

मेरठ। पति से तलाक मिलते ही एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश ने ढोल-नगाड़ों से अपनी बेटी का स्वागत किया, जो एक मिसाल बन गई। एक अधिवक्ता ने रविवार को बताया कि मेरठ स्थित परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश शक्तिपुत्र तोमर ने शनिवार को सेवानिवृत्त न्यायाधीश डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार शर्मा की पुत्री प्रणिता वशिष्ठ के तलाक को मंजूरी दे दी। इसके बाद इस परिवार ने तलाक को सामाजिक कलंक मानने की परंपरागत सोच से अलग हटकर अनोखी मिसाल पेश की। डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार शर्मा ने बेटी प्रणिता वशिष्ठ के तलाक के बाद उसका फूल-मालाओं, ढोल-नगाड़ों और मिठाइयों के साथ स्वागत किया, जिसकी क्षेत्र में व्यापक चर्चा हो रही है।

प्रणिता वशिष्ठ की ओर से अधिवक्ता राजीव गिरी और नसीब सैफी ने अदालत में पैरवी की। रविवार को अधिवक्ताओं ने बताया कि प्रणिता वशिष्ठ की शादी 19 दिसंबर 2018 को शाहजहांपुर निवासी मेजर गौरव अग्निहोत्री से हुई थी, लेकिन शादी के बाद से ही परिस्थितियां अनुकूल नहीं रहीं। आरोप है कि ससुराल पक्ष का व्यवहार ठीक नहीं था और प्रणिता

को लगातार मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक परेशानियों का सामना करना पड़ा। अधिवक्ताओं ने बताया कि एक बेटा होने के बावजूद हालात में कोई सुधार नहीं हुआ, जिसके बाद प्रणिता ने मेरठ के परिवार न्यायालय में तलाक की अर्जी दी।

तलाक के फैसले के बाद परिवार ने इसे बेटी की नई शुरुआत के रूप में लिया। अदालत से बाहर आने के बाद परिजन ढोल की थाप पर नाचते-गाते उसे घर तक लेकर पहुंचे। घर पहुंचने पर डॉ. शर्मा ने बेटी को फूल-माला पहनाकर स्वागत किया और मिठाइयां बांटीं। इस अवसर पर परिवार के सदस्य काले रंग की टी-शर्ट पहने हुए थे, जिन पर 'आई लव माय डॉटर' लिखा हुआ था।

शर्मा ने कहा कि अगर मेरी बेटी शादी के बाद खुश नहीं थी, तो उसे उस माहौल से बाहर निकालना मेरा कर्तव्य था। मैंने किसी प्रकार की राशि या सामान नहीं लिया, सिर्फ अपनी बेटी को वापस घर लाया हूं। प्रणिता वशिष्ठ तेजगढ़ी चौराहे स्थित 'प्रणव वशिष्ठ जुडिशल अकादमी' में फाइनेंस डायरेक्टर हैं। उन्होंने मनोविज्ञान में परास्नातक किया है। उनके भाई प्रणव वशिष्ठ उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता थे जिनका वर्ष 2022 में चंडीगढ़ में एक हादसे में निधन हो गया था। प्रणिता ने अन्य महिलाओं को संदेश देते हुए कहा कि अगर आप किसी तरह की प्रताड़ना झेल रही हैं, तो चुप न रहें। अपने लिए खड़ीं हों। खुद को मजबूत बनाएं।

फार्मर रजिस्ट्री से जुड़ेंगे किसान, 31 मई तक गांव-गांव लगेंगे कैंप

बरेली। फार्मर रजिस्ट्री नहीं करा पाने वाले किसानों को अब एक और मौका दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार ने एग्रीस्टैक परियोजना के तहत 6 अप्रैल 2026 से 31 मई 2026 तक विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस दौरान हर राजस्व ग्राम में किसानों की फार्मर रजिस्ट्री बनाई जाएगी, ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं, एमएसपी खरीद और अन्य सुविधाओं का लाभ आसानी से मिल सके। उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडे ने बताया कि सरकार किसानों को बिचौलियों से बचाने और योजनाओं का लाभ सीधे उनके बैंक खातों तक पहुंचाने के लिए फार्मर रजिस्ट्री अभियान चला रही है। इसका उद्देश्य प्रत्येक किसान को डिजिटल डाटाबेस से जोड़ना है, ताकि उन्हें किसी भी सरकारी योजना का लाभ लेने में परेशानी न हो।

फॉर्म में चल रहे पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत का खाता खोलने उतरेंगे नाइट राइडर्स

कोलकाता। मुश्किलों में घिरी कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम सोमवार को यहां फॉर्म में चल रहे पंजाब किंग्स के खिलाफ जब मैदान पर उतरेगी तो उसकी नजरें जीत के साथ मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग सत्र में अपने अंकों का खाता खोलने पर टिकी होंगी। तीन बार की चैंपियन टीम अपने शुरुआती संघर्ष के लिए शीर्ष तेज गेंदबाजों पेसर मुस्ताफिजुर रहमान, हर्षित राणा, आकाश दीप और मथीशा पथिराना की गैरमौजूदगी को जिम्मेदार ठहरा सकती है लेकिन बड़ा मुद्दा टीम की गलत रणनीति है जिसके कारण टीम ने अब तक अपने दोनों मैच गंवाए हैं।

टीम को 2024 में उसे खिताब दिलाने वाले श्रेयस अय्यर को रिटेन (अपने साथ बरकरार रखना) नहीं करने का भी खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। अय्यर ने 2025 में अपनी अगुआई में पंजाब किंग्स को फाइनल में पहुंचाकर खुद को साबित किया है और तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी - दिल्ली कैपिटल्स (2020), नाइट राइडर्स (चैंपियन 2024) और पंजाब किंग्स (2025) - को फाइनल तक पहुंचाने वाले पहले कप्तान बने। इसके उलट नाइट राइडर्स का पिछला सत्र बहुत खराब रहा और 2009 के बाद पहली बार वह आठवें स्थान पर रही। टी20 में खराब फॉर्म में होने के बावजूद कप्तान के तौर पर लाए गए अजिंक्य रहाणे ने सबसे अधिक रन बनाकर कुछ हद तक आलोचकों को चुप करा दिया लेकिन चंद्रकांत पंडित की जगह अभिषेक नायर को मुख्य कोच बनाने जैसे टीम के फैसलों पर सवाल उठ रहे हैं। नायर इस साल की महिला प्रीमियर लीग में यूपी वारियर्स के कोच थे और टीम अंतिम पायदान पर रही थी। उनकी उलझी हुई रणनीति टीम संयोजन में साफ नजर आती है। न्यूजीलैंड के तीन शीर्ष खिलाड़ियों फिन एलेन, टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र के टीम में होने के बावजूद नाइट राइडर्स की टीम उनका सही इस्तेमाल करने में नाकाम रही है।

इनमें से सिर्फ एलेन को मौका मिला है जबकि पिछले टी20 विश्व कप में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज सीफर्ट और स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रविंद्र बेंच पर ही बैठे हैं। इसके बजाय नाइट राइडर्स ने कमजोर प्रदर्शन के बावजूद सुनील नारायण को एकादश में बनाए रखा है जो 2012 से फ्रेंचाइजी के नियमित खिलाड़ी हैं। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन के शामिल होने से स्थिति और मुश्किल हो गई है जिन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गेंदबाजी करने से रोक दिया है। इससे टीम में दो विदेशी खिलाड़ी ऐसे हैं जो पूरी तरह से योगदान नहीं दे पा रहे हैं।

इसके अलावा रोवमैन पावेल भी बाहर हैं जिससे टीम के चयन फैसलों पर सवाल उठ रहे हैं। नाइट राइडर्स की गेंदबाजी चिंता का विषय थी लेकिन बल्लेबाजों ने भी काफी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। रहाणे के सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरने से मिले-जुले नतीजे मिले हैं लेकिन पांचवें नंबर के बाद बल्लेबाज क्रम कमजोर दिख रहा है। अपने पहले घरेलू मैच में नाइट राइडर्स की टीम सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 227 रन का पीछा करते हुए सिर्फ 16 ओवर में 161 रन पर सिमट गई थी। निचले मध्य क्रम में रमनदीप सिंह और अनुकूल रॉय तेजी से रन बनाने में नाकाम रहे हैं जबकि नारायण को आठवें नंबर पर भेजना रणनीति में कमजोरी को दर्शाता है।

अय्यर की अगुआई में पंजाब ने अब तक अपने दोनों मैच जीते हैं। युवा कूपर कोनोली ने दो मैच में 108 रन बनाकर तीसरे नंबर पर प्रभावित किया है जबकि प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने टीम को अच्छी शुरुआत दी है। अय्यर ने बीच के ओवरों में भरोसे के साथ बल्लेबाजी की है।

अर्शदीप सिंह, मार्को यानसेन और विजयकुमार वैशाख की मौजूदगी में गेंदबाजी इकाई संतुलित लग रही है जबकि अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल आक्रमण को मजबूत करते हैं। नाइट राइडर्स के लिए कार्तिक त्यागी और युवा अंगकृष रघुवंशी का प्रदर्शन हालांकि सकारात्मक पक्ष रहा है लेकिन सिर्फ इन दोनों का प्रदर्शन पंजाब की अच्छी टीम के खिलाफ पर्याप्त नहीं हो सकता।

इस प्रकार हैं दोनों टीम

- **कोलकाता नाइट राइडर्सः** अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह , फिन एलेन, तेजस्वी दहिया, मनीष पांडे, रोवमैन पावेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, सार्थक रंजन, टिम सीफर्ट, राहुल त्रिपाठी, दक्ष कामरा, कैमरन ग्रीन, सुनील नारायण, रचिन रविंद्र, वरुण चक्रवर्ती, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी, ब्लेसिंग मुजरबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी और उमरान मलिक।
- **पंजाब किंग्सः** श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, निहाल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसेन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बरार, विजयकुमार वैशाख, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पायला अविनाश और शशांक सिंह।

मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

भारतीय निशानेबाज ग्रेनाडा विश्व कप में अपनी छाप छोड़ने को तैयार

ग्रेनाडा (स्पेन)। भारतीय पिस्टल और राइफल निशानेबाज सोमवार से यहां होने वाले सत्र के शुरुआती आईएसएसएफ विश्व कप में पिछले साल के अपने दबदबे वाले प्रदर्शन को जारी रखने के संकल्प के साथ उतरेंगे। भारतीय पिस्टल और राइफल निशानेबाजों के लिए विश्व कप का पिछला सत्र शानदार रहा था, जहां उन्होंने लगभग हर प्रतियोगिता में दमदार प्रदर्शन करते हुए नए मानदंड स्थापित किए। मोरक्को में आयोजित शॉटगन विश्व कप में निराशाजनक शुरुआत के बाद भारतीय निशानेबाजों का सारा ध्यान पिस्टल और राइफल स्पर्धाओं पर केंद्रित है।

भारत का पिस्टल और राइफल से जुड़ी स्पर्धाओं में पारंपरिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है। टीम नए सिरे से जीत की मानसिकता के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक होगी, जिसे ओलंपियन रिदम सांगवान, अंजुम मौदगिल और मेहुली घोष सहित देश के कुछ बेहतरीन निशानेबाजों की उपस्थिति से बल मिलेगा। टीम को हालांकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और विश्व चैंपियन सम्राट राणा के अनुभव की कमी खलेगी, क्योंकि वे दल का हिस्सा नहीं हैं। राष्ट्रीय महासंघ की रोटेशन नीति के तहत राष्ट्रीय टीम के सभी सदस्यों को हुनर दिखाने का मौका सुनिश्चित करने के लिए अनुभवी पिस्टल निशानेबाज भाकर, सुरुचि इंदर सिंह और सम्राट राणा सहित अन्य खिलाड़ी मई में म्यूनिख में होने वाले पिस्टल और राइफल विश्व कप में भाग लेंगे। सत्र के शुरुआती विश्व कप में भाग लेने वाली टीम में हालांकि सितारों की कोई कमी नहीं है। इनमें पिस्टल निशानेबाज संगवान पिछले दो वर्षों में विश्व कप में पदक से चूकने के सिलसिले को पीछे छोड़ने के साथ एशियाई खेलों में चयन के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने के उद्देश्य से पोडियम पर जगह बनाने के लिए उत्सुक होंगी।

अनुभवी राइफल निशानेबाज अंजुम और मेहुली भी पिछले निराशाजनक प्रदर्शन के बाद नए सत्र में उतर रही हैं और इस महत्वपूर्ण वर्ष में एक मजबूत छाप छोड़ने के लिए उत्सुक होंगी। इसी तरह, 32 वर्षीय अनुभवी खिलाड़ी और महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री-पोजिशन स्पर्धा की विशेषज्ञ अंजुम निराशाजनक सत्र के बाद अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म को फिर से हासिल करने के लिए उत्सुक होंगी। इस साल की शुरुआत में दिल्ली में आयोजित एशियाई चैंपियनशिप में उनका कांस्य पदक उन्हें विश्व कप से पहले आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान कर सकता है। टीम का सबसे उत्साहजनक पहलू लगभग तीन साल बाद मूक एवं बधिर 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाज धनुष श्रीकांत की विश्व कप टीम में वापसी है। 23 वर्षीय श्रीकांत पिछली बार बाकू में आयोजित 2022 विश्व कप में खेले थे और तब से अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

बेन स्टोक्स का खिलाड़ियों को संदेश- काउंटी में प्रदर्शन से बनाएं चयन का रास्ता

नई दिल्ली। इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने खिलाड़ियों से चल रहे काउंटी चैंपियनशिप सीजन में इंग्लैंड टीम में जगह पाने के लिए अपना दावा मजबूत करने का आग्रह किया है। इंग्लैंड की टीम एक बहुप्रतीक्षित घरेलू सीजन की तैयारी कर रही है। ऐसे में टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि मौजूदा घरेलू रेड-बॉल सीजन खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय टीम में चयन का रास्ता है।

आईसीसी के अनुसार स्टोक्स ने काउंटी चैंपियनशिप के बारे में कहा कि मुझे लगता है कि यह देश भर के खिलाड़ियों के लिए एक शानदार मौका है। उन्होंने कहा कि जब हम ऑस्ट्रेलिया में थे, उसी समय लायंस टीम भी वहां थी, तो आप देख सकते हैं कि उस सिस्टम से कौन-कौन से खिलाड़ी उभरकर आ रहे हैं। स्टोक्स ने कहा कि इंग्लैंड में जो प्रतिभा है, उस पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता है। हमारे पास खिलाड़ियों का जो पूल है, जो प्रतिभा है, वह शायद लंबे समय में सबसे मजबूत है।

स्टोक्स के काउंटी चैम्पियनशिप में डरहम के लिए खेलने की उम्मीद थी, लेकिन वह फिलहाल टूटी हुई गाल की हड्डी से उबर रहे हैं, जो उन्हें फरवरी में नेट प्रैक्टिस के दौरान लगी थी। इंग्लैंड के इस ऑलराउंडर के मई तक मैदान पर वापसी करने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि चैंपियनशिप के पहले छह-सात हफ्ते बहुत महत्वपूर्ण होने वाले हैं।

खिलाड़ियों को इसे एक अवसर के रूप में लेना चाहिए और चयन के लिए अपना दावा जितना मजबूत हो सके, उतना मजबूत करना चाहिए। जब हम चयन के लिए बैठें, तब तक वे खुद को सबसे अच्छे मौके की स्थिति में रखें। 34 वर्षीय स्टोक्स ने आखिरी बार जनवरी में इंग्लैंड के लिए खेला था, जब टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज में 4-1 से हार का सामना करना पड़ा था। घरेलू मैदान पर इंग्लैंड जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगी। दोनों टीमों के बीच पहला मैच 4 जून से लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

बार्यन म्यूनिख के युवा खिलाड़ी चमके फ्रीबर्ग को हराया

म्यूनिख। लेनार्ट कार्ल ने अतिरिक्त समय के नौवें मिनट में गोल करके बायर्न म्यूनिख को फ्रीबर्ग पर 3-2 से जीत दिलाई और टीम को बुंदेसलीगा फुटबॉल खिताब की दौड़ में शीर्ष पर बनाए रखा। फ्रीबर्ग 81वें मिनट तक 2-0 से आगे था और उलटफेर भरी जीत की ओर बढ़ रहा था लेकिन बायर्न के युवा मिडफील्डरों ने मैच का रुख बदल दिया। बीस साल के टॉम बिशॉफ ने लंबी दूरी से दो गोल किए जबकि 18 साल के कार्ल ने अल्फांसो डेविस के क्रॉस पर गोल दागकर बायर्न की जीत सुनिश्चित की। शीर्ष पर चल रहे बायर्न के इस जीत से 28 मैच में 73 अंक हो गए हैं और उसने दूसरे स्थान पर चल रहे बोरुसिया डोर्टमंड पर नौ अंक की बढ़त बना रखी है। डोर्टमेंड ने तीसरे स्थान पर चल रहे स्टुटगार्ट को 2-0 से हराया जबकि बायर लीवरक्युसेन ने 1-3 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए वोल्फ्सबर्ग को 6-3 से मात दी। अन्य मुकाबलों में लेपजिग ने वर्डर ब्रेमेन को 2-0 से हराया जबकि मेंज ने होफेनहीम को 2-1 से शिकस्त दी। यूनियन बर्लिन और ऑगसबर्ग का मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा जबकि बोरुसिया मोनशेंग्लाबाख ने हेडेनहीम से 2-2 से ड्रॉ खेला।

अभय अल गौना स्क्वाश में जीते, अनाहत बाहर

नई दिल्ली। भारत के अभय सिंह ने मिस्त्र के अल गौना में चल रही पीएसए प्लेटिनम प्रतियोगिता अल गौना ओपन के पुरुषों के एकल वर्ग के पहले दौर में मेजबान देश के दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी अली अबोउ एलीनन को 3-2 से हराया। दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने शनिवार को एलीनन के खिलाफ 9-11, 11-8, 3-11, 11-4, 11-8 से जीत हासिल की। अब अभय का सामना मिस्त्र के ही छठे वरीय और दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी यूसुफ इब्राहिम से होगा। इस बीच महिला एकल में दुनिया की 20वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी अनाहत सिंह को मिस्त्र की दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी हानिया अल हम्मामी ने पहले दौर में 11-8, 11-5, 9-11, 11-8 से हरा दिया।

प्रदर्शन से चयनकर्ताओं की नजरों में बने रहेंगे तुषार: स्टेन

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन मौजूदा आईपीएल सत्र में तुषार देशपांडे के प्रदर्शन से प्रभावित हैं और उनका कहना है कि गुजरात टाइटन्स के खिलाफ आखिरी ओवर में राजस्थान रॉयल्स के इस तेज गेंदबाज का धैर्यपूर्ण प्रदर्शन राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान खींचेगा। देशपांडे ने आईपीएल 2026 में जोरदार शुरुआत की है। शनिवार को अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ आखिरी ओवर में 10 रन बचाकर उन्होंने रॉयल्स को जीत दिलाई।

देशपांडे ने आखिरी ओवर में राशिद खान को कैसे छकाया इस पर स्टेन ने प्रसारणकर्ता 'स्टार स्पोर्ट्स' को कहा, ''तुषार देशपांडे का आखिरी ओवर बहुत बढ़िया था। उन्होंने दबाव में एकदम सही यॉर्कर डालीं, राशिद खान जैसे खिलाड़ी को बाउंड्री लगाने का मौका नहीं दिया। उन्होंने कहा कि एक गेंदबाज के लिए इतने अधिक दबाव वाली स्थिति में शांत रहना बहुत मुश्किल होता है क्योंकि आपके दिमाग में बहुत सी बातें चलती रहती हैं। लेकिन यह पक्का करना कि बिना दबाव महसूस किए योजना को सही तरीके से लागू किया जाए यह बहुत कम दिखने वाला हुनर है।

स्टेन ने कहा कि तुषार ने चार परफेक्ट यॉर्कर डालीं। फिर उन्होंने अपनी लाइन बदली और लेंथ गेंद डाली और ऐसा करके उन्होंने राशिद खान को बड़ा शॉट मारने के लिए उकसाया और वह बाउंड्री पर कैच दे बैठे। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि तुषार देशपांडे ने निडर गेंदबाजी की और यह प्रदर्शन सुनिश्चित करेगा कि भारतीय चयनकर्ता इस आईपीएल सत्र में उनसे नजरें नहीं हटाएंगे।

बार्सीलोना ने एटलेटिको मैड्रिड को हराया

मैड्रिड। बार्सीलोना ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शनिवार को यहां ला लीगा फुटबॉल टूर्नामेंट में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे एटलेटिको मैड्रिड को 2-1 से हराकर खिताब जीतने की ओर मजबूत कदम बढ़ाए। मालोर्का में रीयाल मैड्रिड की 1-2 की हार ने बार्सीलोना की स्थिति और मजबूत कर दी। बार्सीलोना और एटलेटिको की टीम अब चैंपियन्स लीग के क्वार्टर फाइनल में भी दो बार भिड़ेंगी। बार्सीलोना की ओर से रॉबर्ट लेवानदोवस्की ने 87वें मिनट में विजयी गोल दागा। बार्सीलोना की यह सभी प्रतियोगिताओं में पिछले नौ मैच में आठवीं जीत है और टीम ने ला लीगा तालिका के शीर्ष पर रीयाल मैड्रिड पर सात अंक की बढ़त बना ली है। बार्सीलोना के 30 मैच में 76 जबकि दूसरे स्थान पर चल रहे मैड्रिड के इतने ही मैच में 69 अंक हैं। एटलेटिको की टीम 30 मैच में 57 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। अन्य मुकाबलों में रीयाल सोसीदाद ने लेवांते को 2-0 से हराया जबकि रीयाल बेटिस ने एस्पानयोल से गोल रहित ड्रॉ खेला।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से छह का बाजार पूंजीकरण 64,734 करोड़ रुपये घटा

नई दिल्ली। कम कारोबारी सत्रों वाले बीते सप्ताह में सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 64,734.46 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में भारती एयरटेल रही। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 263.67 अंक या 0.35 प्रतिशत नीचे आया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 106.5 अंक या 0.46 प्रतिशत के नुकसान में रहा।

यह लगातार छठा सप्ताह है जबकि बाजार नुकसान में रहा है। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 29,993.07 रुपये करोड़ घटकर 10,20,420.26 करोड़ रुपये पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 12,845.81 करोड़ रुपये घटकर 8,70,705.49 करोड़ रुपये रह गई। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 11,169.36 करोड़ रुपये कम होकर 5,14,226.12 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 7,822.79 करोड़ रुपये घटकर 11,56,195.90 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 2,349.59 करोड़ रुपये घटकर 4,85,190.60 करोड़ रुपये रहा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 553.84 करोड़ रुपये घटकर 9,41,015.31 करोड़ रुपये रह गई। इस रुख के उलट टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 22,359.78 करोड़ रुपये बढ़कर 8,87,028.43 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण 12,374.76 करोड़ रुपये बढ़कर 5,27,409.43 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। लार्सन एंड टुब्रो का मूल्यांकन 6,575.43 करोड़ रुपये बढ़कर 4,97,111.62 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 3,518.45 करोड़ रुपये बढ़कर 18,28,034.07 करोड़ रुपये हो गई। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसी आई बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

IPF ने अप्रैल के पहले दो कारोबारी सत्रों में 19,837 करोड़ रुपये के शेयर बेचे

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की भारतीय शेयर बाजार से निकासी का सिलसिला अप्रैल में भी जारी है। अप्रैल के पहले दो कारोबारी सत्रों में ही उन्होंने 19,837 करोड़ रुपये (2.1 अरब डॉलर) के शेयर बेचे हैं। इसकी मुख्य वजह पश्चिम एशिया संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और रुपये में लगातार गिरावट को माना जा रहा है। इससे पहले मार्च में एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार से करीब 1.17 लाख करोड़ रुपये (लगभग 12.7 अरब डॉलर) की रिकॉर्ड निकासी की थी। यह एफपीआई की निकासी की दृष्टि से सबसे खराब महीना था। वहीं एफपीआई ने फरवरी में शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये डाले थे, जो 17 माह का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, ताजा बिकवाली के बाद 2026 में अब तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय शेयर बाजार से 1.5 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। एफपीआई ने अप्रैल के दो कारोबारी सत्रों में 19,837 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, ''युद्ध जारी रहने, कच्चे तेल के दाम के फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जाने, रुपये में लगातार गिरावट और डॉलर की मजबूती की वजह से एफपीआई की बिकवाली रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है।'' उन्होंने कहा कि इसके अलावा युद्ध शुरू होने के बाद से रुपये में लगभग चार प्रतिशत की गिरावट आई है, और इसमें आगे और कमजोरी की आशंका से भी बिकवाली को बल मिल रहा है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रमुख-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ने की वजह से निश्चित आय वाली परिसंपत्तियों का आकर्षण बढ़ा है। ऐसे में निवेशक अपने निवेश को शेयरों से अन्य संपत्तियों की ओर संतुलित कर रहे हैं।''

बीते वित्त वर्ष में अमूल का कारोबार 11 प्रतिशत बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली। डेयरी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अमूल ने रविवार को कहा कि डेयरी उत्पादों की बेहतर मांग के कारण पिछले वित्त वर्ष (2025-26) के दौरान उसका कुल कारोबार 11 प्रतिशत बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये को पार कर गया। गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में अमूल ब्रांड का कुल कारोबार एक लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। बयान में आगे कहा गया, ''2024-25 के 90,000 करोड़ रुपये की तुलना में अमूल ब्रांड के कुल राजस्व में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।'' अमूल ब्रांड के तहत उत्पाद बेचने वाली संस्था जीसीएमएमएफ का कारोबार बीते वित्त वर्ष में सालाना आधार पर 65,911 करोड़ रुपये से 11.4 प्रतिशत बढ़कर 73,450 करोड़ रुपये हो गया। जीसीएमएमएफ ने कहा, ''यह उछाल 1,200 से अधिक उत्पाद पैक के विशाल पोर्टफोलियो, विस्तृत वितरण नेटवर्क और आधुनिक उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों के अनुरूप तेजी से ढलने की क्षमता के कारण संभव हुआ है।''

ईंधन कीमतों में स्थिरता के बीच भारतीय ओएमसी रिफाइनरियों को रियायती दरों पर भुगतान करेंगी

नई दिल्ली। ईंधन की कीमतों के नियंत्रणमुक्त होने के बाद पहली बार, भारत की सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियां (ओएमसी) पेट्रोल, डीजल, विमान ईंधन (एटीएफ) और केरोसिन यानी मिट्टी के तेल के लिए रिफाइनरियों को रियायती कीमत का भुगतान करेंगी। सूत्रों ने बताया कि यह कदम खुदरा ईंधन कीमतों को स्थिर रखने के कारण होने वाले घाटे को सीमित करने के लिए उठाया गया है।

इस मामले की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले दो व्यक्तियों ने बताया कि पेट्रोलियम विपणन कंपनियों ने 26 मार्च को पेट्रोलियम उत्पादों के लिए ऐसी दरें तय की हैं, जो उनकी आयात लागत से 60 रुपये प्रति लीटर तक कम हैं। ये रियायती दरें 16 मार्च से प्रभावी मानी जाएंगी और इसका सबसे बुरा असर एमआरपीएल (एमआरपीएल), सीपीसीएल (सीपीसीएल) और एचएमईएल (एचएमईएल) जैसी स्वतंत्र रिफाइनरियों पर पड़ेगा। पश्चिम एशिया में संघर्ष से पहले अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल थीं, जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। इसके बावजूद, भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे ओएमसी को इसके प्रभाव को खुद झेलना पड़ रहा है। संघर्ष के जल्द खत्म होने के कोई आसार न देखते हुए, ओएमसी ने रिफाइनरी हस्तांतरण मूल्य (आरटीपी) पर छूट देने का निर्णय लिया है।

आरटीपी वह आंतरिक कीमत है, जिस पर रिफाइनरियां अपने विपणन प्रभागों को ईंधन बेचती हैं। इस छूट के जरिये रिफाइनरियों को पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन के लिए आयात लागत से कम भुगतान किया जाएगा। मार्च के दूसरे पखवाड़े के लिए डीजल पर 22,342 रुपये प्रति किलोलीटर (22.34 रुपये प्रति लीटर) की छूट तय की गई थी ताकि 85,349 रुपये प्रति किलोलीटर के आरटीपी को घटाकर 63,007 रुपये प्रति किलोलीटर किया जा सके।

अप्रैल के पहले पखवाड़े के लिए डीजल पर छूट 60,239 रुपये प्रति किलोलीटर तय की गई है ताकि आरटीपी को 1,46,243 रुपये प्रति किलोलीटर से घटाकर 86,004 रुपये प्रति किलोलीटर किया जा सके। इसी तरह, एटीएफ पर 50,564 रुपये प्रति किलोलीटर की छूट के बाद आरटीपी को 1,27,486 रुपये से घटाकर 76,923 रुपये प्रति किलोलीटर कर दिया गया है। केरोसिन के लिए 46,311 रुपये प्रति किलोलीटर की छूट के बाद आरटीपी 1,23,845 रुपये से घटाकर 77,534 रुपये प्रति किलोलीटर तय किया गया है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां अपने रिफाइनिंग और विपणन कार्यों के बीच इस नुकसान की कुछ हद तक भरपाई कर सकती हैं।

हालांकि, एमआरपीएल, सीपीसीएल और एचएमईएल जैसी रिफाइनरियां इस कदम से सबसे अधिक प्रभावित होंगी। सूत्रों ने कहा कि यदि निजी रिफाइनरियों के लिए भी आरटीपी पर छूट लागू की जाती है, तो नायरा एनर्जी और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड जैसे रिफाइनरी कंपनियां भी प्रभावित होंगे। दोनों निजी रिफाइनरी कंपनियां अपने पेट्रोल और डीजल उत्पादन का अधिकांश हिस्सा ओएमसी को बेचती हैं। ओएमसी देश में एक लाख पेट्रोल पंप में से 90 प्रतिशत का परिचालन करती हैं।

वैश्विक चुनौतियों के बीच चौथी तिमाही में एफएमसीजी कंपनियों की स्थिर वृद्धि

नई दिल्ली। एफएमसीजी कंपनियों की वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में स्थिर मांग के बीच वृद्धि मजबूत रही। हालांकि, पश्चिम एशिया के बाजारों में जारी भू-राजनीतिक तनाव चिंता का विषय बना हुआ है। मैरिको, डाबर और एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस जैसी कंपनियों ने मात्रा और मूल्य दोनों में वृद्धि दर्ज की है।

यह बढ़ोतरी मूल्य निर्धारण में बदलाव, विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में गति, मजबूत घरेलू खपत और संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों को छोड़कर अंतरराष्ट्रीय बाजारों में वृद्धि के कारण संभव हुई है। कंपनियों को उम्मीद है कि महंगाई में कमी आने से मार्जिन में सुधार होगा। हालांकि वे आने वाली तिमाहियों को लेकर सतर्कता के साथ आशावादी बनी हुई हैं। उनका मानना है कि स्थिर आर्थिक परिस्थितियों और बेहतर खपत रुझानों के कारण घरेलू मांग में सुधार जारी रहेगा।

घरेलू कंपनी मैरिको ने अपनी की तिमाही की जानकारी में बताया कि इस अवधि में उसकी एकीकृत आय में सालाना आधार पर करीब 20 प्रतिशत के आसपास वृद्धि हुई है। यह वृद्धि मूल्य निर्धारण उपायों, केश तेल श्रेणी में मजबूत प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय कारोबार में बेहतर मांग से संभव हुई। डाबर ने भी अपेक्षाकृत संतुलित प्रदर्शन दर्ज करते हुए मार्च तिमाही में मध्यम एकल अंक की आय वृद्धि का अनुमान जताया है।

कृषि मंत्री ने ओलावृष्टि, भारी बारिश से फसलों को हुए नुकसान का जायजा लिया

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कई राज्यों में भारी बारिश और ओलावृष्टि से हुए नुकसान का संज्ञान लेते हुए मंत्रालय के अधिकारियों को फसल के नुकसान की व्यापक समीक्षा करने और जमीनी स्तर की जानकारी जुटाने के लिए राज्य अधिकारियों के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया।

कृषि मंत्रालय ने बयान में कहा कि मंत्री ने संबंधित राज्य सरकारों से संपर्क कर नुकसान का आकलन तैयार करने को कहा है। मंत्री बाद में प्रभावित राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा करेंगे। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि सात अप्रैल से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करेगा, जिससे 10 अप्रैल तक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में व्यापक बारिश, आंधी और ओलावृष्टि हो सकती है। कुछ क्षेत्रों में तेज हवाएं चल सकती हैं।

फसलों के नुकसान का मुख्य कारण ओलावृष्टि है। सात से आठ अप्रैल को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में तथा रविवार को पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में ओलावृष्टि का पूर्वानुमान है।

सुबह की आदतों में सुधार बेहद जरूरी : सामंथा रूथ प्रभु

मुंबई। साउथ फिल्म इंडस्टी की मशहूर अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी खास 'पावर मॉर्निंग' रूटीन साझा की है। सोशल मीडिया पर सामंथा ने एक वीडियो के जरिए बताया कि उन्होंने कई तरह के मॉर्निंग रूटीन अपनाए, लेकिन अंत में एक सरल और प्रभावी तरीका खोजा, जिसे उन्होंने 'पावर मॉर्निंग' नाम दिया। उनके अनुसार, दिन की शुरुआत सही ढंग से करने पर पूरे दिन की ऊर्जा और उत्पादकता पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि अगर सुबह व्यवस्थित होती है, तो दिनभर शरीर और मन दोनों संतुलित रहते हैं। वीडियो में उन्होंने यह भी बताया कि कई लोग नियमित व्यायाम और डाइट के बावजूद पेट की चर्बी, त्वचा संबंधी समस्याओं या सुबह चेहरे पर सूजन जैसी परेशानियों से जूझते हैं। इसके पीछे गलत मॉर्निंग रूटीन एक अहम कारण हो सकता है। इसलिए सुबह की आदतों में सुधार बेहद जरूरी है। सामंथा ने खास तौर पर शरीर में बनने वाले स्ट्रेस हार्मोन कॉर्टिसोल का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सुबह उठते ही इसका स्तर स्वाभाविक रूप से अधिक होता है, लेकिन यदि व्यक्ति उठते ही फोन, खबरें या काम में लग जाता है, तो यह तनाव और बढ़ा सकता है। इससे दिनभर ध्यान और मानसिक शांति प्रभावित होती है। उन्होंने अपनी दिनचर्या में कुछ आसान लेकिन प्रभावी सुझाव दिए। सबसे पहले, जागने के बाद कम से कम एक घंटे तक मोबाइल फोन से दूरी बनाए रखने की सलाह दी। इसके बाद कुछ मिनट शांत बैठकर गहरी सांस लेने से दिमाग को सकारात्मक संकेत मिलता है और शरीर बेहतर तरीके से काम करता है। साथ ही, सुबह के शुरुआती समय में धूप लेना, हेल्दी ड्रिंक और संतुलित नाश्ता करना भी बेहद फायदेमंद बताया गया है, जिससे ब्लड शुगर नियंत्रित रहती है।

मां बनने के बाद परिणीति चोपड़ा का पहला रिएक्शन

मुंबई। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा जल्द ही जी5 के टॉक शो मॉम्स टॉक को होस्ट करती नजर आएंगी। शो के अनाउंसमेंट के दौरान उन्होंने मां बनने के अपने अनुभव, परिवार के सहयोग और समाज में प्रचलित सोच पर खुलकर बात की। परिणीति ने कहा कि उनके इस सफर को आसान बनाने में उनके पति राघव चड्ढा और परिवार का बड़ा योगदान रहा, जिससे उन्हें कभी अकेलापन महसूस नहीं हुआ। इवेंट में उन्होंने कामकाजी मांओं की चुनौतियों पर भी बात की और कहा कि कई महिलाओं को परिवार और पति का साथ नहीं मिल पाता, जो दुखद है। परिणीति के मुताबिक, मां बनने के सफर में सबसे जरूरी चीज 'सपोर्ट सिस्टम' है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर मां को सहयोग और समझ की जरूरत होती है, ताकि वह अपने बच्चे की बेहतर परवरिश कर सके। अपने शो के बारे में बताते हुए परिणीति ने कहा कि 'मॉम्स टॉक' के जरिए वे यह संदेश देना चाहती हैं कि बच्चे की परवरिश का कोई एक तय तरीका नहीं होता। उन्होंने कहा कि माता-पिता को समाज के दबाव से हटकर अपने तरीके से फैसले लेने चाहिए। हर एपिसोड में दर्शकों को अपनी जिंदगी से जुड़ी कहानियां और उनके समाधान देखने को मिलेंगे। परिणीति ने यह भी कहा कि माता-पिता को दोस्ताना रवैया रखते हुए अनुशासन बनाए रखना चाहिए, ताकि बच्चों का संतुलित विकास हो सके।

हम सबको जोड़ता है ब्लॉग : अमिताभ बच्चन

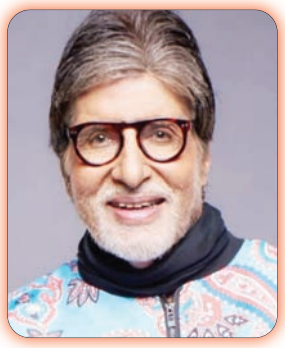

मुंबई। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ब्लॉग के माध्यम से अपने मन के भाव फैंस तक पहुंचाते रहते हैं। अमिताभ ने हाल ही ब्लॉग के मतलब और उसके विकास के बारे में बात की। बिग बी ने बताया कि ब्लॉग की शुरुआत सीखने की प्रक्रिया से हुई थी, धीरे-धीरे यह उनकी जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन गया। इसमें निरंतरता है, जो जीवन की अनिश्चितताओं के बीच भी बनी रहती है। उन्होंने अपने ब्लॉग में लिखा, हर उस चीज के लिए हमेशा एक सही समय और जगह होती है, जिसके करने, मानने और पूरा करने की जरूरत होती है। उन्होंने अपने ब्लॉग को सिर्फ एक प्लेटफॉर्म नहीं बल्कि एक खास जगह बताया। अभिनेता ने कहा कि यह उन्हें दुनिया भर के लोगों से जोड़ती है। उन्होंने लिखा, ब्लॉग हम सबको जोड़ता है। कभी-कभी यह हमें दूर ले जाता है, तो कभी हमेशा उपस्थित रहने की कोशिश करता है। बच्चन ने आगे लिखा, लेकिन यह हमेशा आने और अपनी हाजिरी लगाने की कोशिश करता है। तो जो चीज सीखने के तौर पर शुरू हुई थी, वह अब एक सीखी हुई चीज बन गई है। अमिताभ बच्चन 80 से अधिक उम्र में भी काफी सक्रिय और संवेदनशील दिखते हैं। उनका ब्लॉग उनके व्यक्तित्व का आईना है, जहां वे बिना किसी फिल्टर के अपने विचार सभी के सामने रखते हैं।

सिंगापुर का खाना, फैशन और माहौल पसंद आया मौनी रॉय को

मुंबई। अभिनेत्री मौनी रॉय को सिंगापुर में अपने नए म्यूजिक वीडियो 'सॉसी' की शूटिंग के दौरान एक नया अनुभव हुआ। वीडियो में उन्होंने पंजाबी सिंगर-रैपर रियार साब और मशहूर रैपर डिवाइन के साथ काम किया है। अभिनेत्री ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सिंगापुर पहले से ही उनकी ट्रैवल लिस्ट में शामिल था, लेकिन इस बार वहां जाना उनके लिए बेहद खास साबित हुआ। उन्होंने कहा कि इस खूबसूरत देश को पहली बार करीब से देखने और उसी दौरान शूटिंग करने का अनुभव उनके लिए अनोखा रहा। वहां का खाना, फैशन और माहौल उन्हें बेहद पसंद आया और उन्होंने खुद को उस माहौल में पूरी तरह घुला-मिला हुआ महसूस किया। उन्होंने आगे बताया कि शूटिंग के दौरान उन्हें शहर के अलग-अलग हिस्सों में जाने का मौका मिला, जहां हर जगह का अनुभव अलग था। कभी शहर तेज रफ्तार और हलचल से भरा नजर आता था, तो कभी शांत और सुकून देने वाला। इसी दौरान उन्हें सिंगापुर से एक खास जुड़ाव महसूस होने लगा। मौनी के मुताबिक, वह वहां काम करने गई थीं।